RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:305 ता. 26 मई 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

तेजी से बढ़ रहा चक्रवात रेमल...

26 को पश्चिम बंगाल पहुंचाने की संभावना

कितना होगा ताकतवार, कहा होगा लैंडफॉल इस पर संशय

नई दिल्ली ।

बंगाल की खाड़ी में भीषण चक्रवाती तूफान रेमल बन रहा है। तूफान के 26 मई को पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के तट पर पहुंचने की संभावना है। मौसम विभाग ने इसकी जानकारी दी। चक्रवाती तूफान के कारण बंगाल के तटीय जिलों उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर के कई इलाकों में भारी बारिश होगी जबकि कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में मौजूद एक कम दबाव की प्रणाली के शुक्रवार को गहरे दबाव में परिवर्तित होने और उसके बाद अगले दिन पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवात में बदलने की संभावना है। इसके बाद रविवार शाम तक यह एक भीषण चक्रवात के तौर पर बांग्लादेश और उससे सटे पश्चिम बंगाल के तट पर पहुंच जाएगा। मौसम विभाग ने मछुआरों को रविवार तक उत्तर बंगाल की खाड़ी में नहीं जाने की चेतावनी दी है।

चक्रवाती तूफान रेमल के आगमन को लेकर सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए गए। मौसम विभाग ने ईएमएस को बताया कि उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के ऊपर समुद्र तल से लगभग सात किलोमीटर ऊपर कम दबाव बन गया है और यह बंगाल की खाड़ी के ऊपर उत्तर पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके 25 मई की सुबह पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है। इसके बाद यह उत्तर की ओर बढ़ेगा और 26 मई की शाम को भीषण चक्रवाती तूफान का रूप ले सकता है और बांग्लादेश और इससे सटे पश्चिम बंगाल के तट के करीब पहुंच सकता है। हालांकि कोई स्पष्ट लैंडफॉल नहीं है या यह चक्रवात कहां टकराएगा।

हालांकि, रविवार को अलीपुर मौसम विभाग की ओर से तटीय जिलों में आपदा की भविष्यवाणी की गई थी। उत्तर और दक्षिण 24 परगना और पूर्वी मेदिनीपुर में शनिवार और रविवार को बारिश होगी। तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। चक्रवात रेमल की गति क्या होगी? यह अभी साफ नहीं हुई है। शनिवार को इन तीन जिलों में 70 से 110 मिमी बारिश होने की संभावना जाहिर की गई है। रविवार को इन तीनों जिलों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका है। कुल मिलाकर यह साफ है कि चक्रवात रेमल बनेगा। लेकिन, इसका लैंडफॉल कहां होगा? बांग्लादेश या पश्चिम बंगाल का तट, कहां इसका सबसे ज्यादा असर होगा या इसकी ताकत या कितनी होगी? यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। ध्यान दें कि रेमल का अर्थ रेत है। यह एक अरबी शब्द है। यह नाम ओमान ने दिया है।

राजस्थान के फलौदी में तापमान 49 डिग्री,लू से 8 लोगों की मौत

जयपुर।

पश्चिमी राजस्थान के फलौदी में तापमान 49 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। वहीं जैसलमेर में यह 48.3 और बाड़मेर में तापमान 48.2 डिग्री रहा। बाड़मेर में तापमान सामान्य से 6.2 डिग्री ऊपर दर्ज किया गया है। राजस्थान में इस बार गर्मी के मामले में बाड़मेर, फलौदी, जैसलमेर, श्रीगंगानगर और पिलानी ने सर्वाधिक गर्मी के लिए देशभर में चर्चित रहने वाले चूरू को पीछे छोड़ दिया है। हीट स्ट्रोक कारण प्रदेश में आठ और लोगों की मौत हो गई। प्रदेश के अन्य इलाके भी सूरज के ताप से जबर्दस्त तरीके से तप रहे हैं। हीटवेव ने लोगों को झुलसा कर रख दिया है। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजस्थान में सर्वाधिक गर्म शहर फलौदी रहा. वहां तापमान रिकॉर्ड स्तर पर 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. पूरे राजस्थान में लू के कारण हीट स्ट्रोक केस बढ़ रहे हैं। खासकर पश्चिमी राजस्थान में हीट स्ट्रोक केसेज में खासी तेजी आई है। शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में हीट स्ट्रोक ने आठ और लोगों की जान ले ली। सड़कें और बालू रेत तप रही हैं. इसके चलते बाहर निकालना मुश्किल हो रहा है। भीषण गर्मी के कारण पूरे प्रदेश के न्यूनतम तापमान में भी जबर्दस्त उछाल आया है। कुछ स्थानों पर न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 2-7 डिग्री ऊपर दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 72 घंटों में राजस्थान के दक्षिणी व पश्चिमी भागों में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में और मामूली बढ़ोतरी होने की संभावना है। तापमान में यह बढ़ोतरी 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक हो सकती है. आगामी दिनों में हीटवेव का यह दौर दिन के साथ-साथ रात में भी जारी रहेगा। 28 मई से पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में और 29 मई से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने के आसार हैं।

प्रमुख शहरों का तापमान

- जोधपुर- 47.6
- डूंगरपुर- 47.1
- कोटा- 46.7
- श्रीगंगानगर- 46.6
- चित्तौड़गढ़- 46
- अंता (बारां) 45.6
- बीकानेर- 45.8
- भीलवाड़ा- 45.5
- चूरू- 44.8
- जयपुर- 42.8

काशी में पहली बार प्रियंका-डिंपल का रोड शो, बोलींयहां कोई किराए पर नहीं आया

वाराणसी ।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी और सपा सांसद डिंपल यादव का वाराणसी में रोड शो किया। पहली बार प्रियंका और डिंपल एक साथ रोड शो किया। उन्होंने इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय के लिए वोट मांगा। इस अवसर पर प्रियंका ने कहा कि यहां कोई किराए पर नहीं आया है। रैली में उमड़ी भीड़ मोदी सरकार के प्रति आक्रोश है। इससे पहले प्रियंका गांधी और डिंपल यादव ने काल भैरव के दर्शन किए। रोड शो दुर्गाकुंड के दुर्गा मंदिर से शुरू होकर रविदास मंदिर तक हुआ। डिंपल और प्रियंका ने दुर्गा मंदिर में मां कूष्मांडा की पूजा और फिर महामना की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संत रविदास के दरबार में माथा टेका। रोड शो के दौरान कांग्रेस नेता और डिंपल ने जगह-जगह रूक कर जनता को संबोधित भी किया। इसके साथ ही इंडी गठबंधन प्रत्याशी अजय राय के लिए जनसमर्थन भी मांगा। कांग्रेस नेता अजय राय पब्लिक का अभिवादन करते रहे। रोड शो में कांग्रेस और सपा नेताओं को जमावड़ा दिखा। वे पार्टी समर्थित नारे लगाते रहे। वाहन पर बैठे प्रियंका, डिंपल और अजय राय के ऊपर गुलाब की पंखुडियां उड़ाई जा रही थीं।

कांग्रेस सत्ता में आई तो परमाणु हथियार नष्ट कर देगी

- पीएम मोदी ने चुनावी सभा में कहा- कांग्रेस देश की प्रगति में रिवर्स गियर लगाना चाहती है
- हिमाचल में कंगना रनौत के समर्थन में जनसभा का आयोजन

मंडी।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश में बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत के समर्थन में चुनाव प्रचार करने मंडी पहुंचे। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने पर भारत के परमाणु हथियारों को खत्म करने, 370 को बहाल करने और नागरिकता संशोधन अधिनियम को रद्द करने का इरादा रखती है। पीएम ने उन लोगों पर भी हमला बोला, जिन्होंने प्रचार के दौरान बीजेपी प्रत्याशी और अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। पीएम मोदी ने कहा कि आपने दशकों तक कांग्रेस का शासन देखा है। कांग्रेस को एक ऐसा भारत पसंद है जो गरीब हो, नागरिक समस्याओं से घिरा हुआ हो। इसलिए यह देश की प्रगति में रिवर्स गियर लगाना चाहती है, इसलिए तो कांग्रेस कह रही है कि अगर वह सत्ता में आती है तो वह धारा 370 को वापस लाएगी और सीएए को रद्द कर देगी। कांग्रेस पागलपन के स्तर पर पहुंच गई है जहां यह कहा जा रहा है कि यह भारत के परमाणु हथियारों को खत्म कर देंगे। वे अपने चुनाव अभियान में ये घोषणाएं कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर कट्टर सांप्रदायिक होने और वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। कांग्रेस समान नागरिक संहिता का विरोध कर रही है। मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने कांग्रेस शरिया कानून का समर्थन करती है। यह कट्टर सांप्रदायिक और पारिवारिक राजनीति का मजबूत समर्थक है। उन्होंने रनौत पर हमला करने वालों की आलोचना की। मोदी ने कहा कि कांग्रेस रूढ़िवादी सोच में डूबी हुई है, मंडी के नाम पर कांग्रेस ने कंगना के खिलाफ जिस तरह के घटिया शब्द कहे हैं, वह मंडी जिले और हिमाचल प्रदेश के लोगों का अपमान है।

विदेश मंत्री जयशंकर का वोटर लिस्ट से नाम गायब, बिना वोट के लौटना पड़ा

नई दिल्ली।

विदेश मंत्री एस जयशंकर सुबह सुबह मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने पहुंचे। करीब 20 मिनिट तक लाइन में लगे रहे। जब उनकी बारी आई तो पता चला कि उनका वोटर लिस्ट में नाम ही नहीं है। इसके बाद उन्हे बिना वोट के ही वापस लौटना पड़ा।मतदान केंद्र पर विदेश मंत्री को जानकारी मिली कि वोटिंग के लिए उन्हें दूसरे केंद्र पर जाना पड़ेगा। वह तुगलक लेन के अटल आदर्श विद्यालय में वोट डालने के लिए पत्नी के साथ पहुंचे थे। मगर दोनों का नाम सूची में नहीं था। इसके बाद उन्होंने दूसरे मतदान केंद्र पहुंचकर मतदान किया। इस दौरान जिला चुनाव ऑफिस की तरफ से पहले पुरुष मतदाता होने का सर्टिफिकेट भी दिया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला और सभी से मतदान करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में मतदान केंद्र पहुंचने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास जताया कि दिल्ली के मतदाता एक बार फिर मोदी सरकार और विकसित भारत का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, हमने अभी अपना वोट डाला है और मैं इस बूथ पर पहला पुरुष मतदाता था। हम चाहते हैं कि लोग घरों से बाहर आएं और वोट डालें... क्योंकि यह देश के लिए एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने जोर देकर कहा, मुझे विश्वास है कि दिल्ली में मतदाता एक बार फिर विकसित भारत और मोदी सरकार का समर्थन करेंगे। इससे पहले शुक्रवार को एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में जयशंकर ने कहा था कि बीजेपी दक्षिणी राज्यों में बड़ी प्रगति करेगी जबकि उत्तरी राज्यों पर अपनी पकड़ दोगुनी करेगी।

उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनाव के छठे चरण के लिए कड़ी सुरक्षा और व्यवस्था के बीच छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 58 संसदीय क्षेत्रों में आज सुबह से मतदान जारी है। बता दें कि लोकसभा चुनाव के छठे चरण में आज शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सभी सात सीटों पर मतदान जारी है। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, बांसुरी स्वराज सहित कई बड़े नेताओं ने वोटिंग बूथ पहुंचकर मतदान किया।

नौकरी के नाम पर भारतीयों को बनाया गुलाम, केंद्र सरकार से लगाई गुहार

नई दिल्ली।

विदेश में नौकरी करने का सपना देख रहे कुछ भारतीय युवकों को म्यांमार में गुलाम बना लिया गया है। उनसे 18 घंटे काम लिया जाता है और खाने के नाम पर सिर्फ दो कटोरा चावल दिया जाता है। रिहा करने की गुहार लगाने पर जबरदस्त पिटाई होती है। एक लड़की के सिर में काफी गंभीर चोटें आई हैं। वो जिंदगी और मौत से जूझ रही है। इसका खुलासा वायरल हुए एक वीडियो में हुआ है। परिजनों से कैराना सांसद प्रदीप चौधरी से मदद की गुहार लगाई है। चौधरी ने भरोसा दिलाया है कि विदेश मंत्रालय ने रिहाई के प्रयास शुरु कर दिए हैं और जल्द ही उन्हे रिहा करा लिया जाएगा। म्यांमार गए 20 भारतीयों का परिवार अब विदेश मंत्रालय के सामने उन्हें वापस लाने की गुहार लगा रहा है। परिवार का कहना है कि उनके परिजनों को दुबई के एक एजेंट ने नौकरी की लालच देकर थाईलैंड ले जाने का झांसा दिया था। हालांकि उन्हें म्यांमांर भेज दिया गया और वहां उन्हें बंधक बना लिया गया है। ऐसे में उनकी जान पर खतरा बना हुआ है।परिजनों ने कैराना के बीजेपी सांसद प्रदीप चौधरी से मदद मांगी। इसके बाद यह जानकारी विदेश मंत्रालय को दी गई। दरअसल भारत से गए एक वर्कर ने अपना एक वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था जिसमें उसने अपनी दुर्दशा बताई थी। एक वर्कर ने वीडियो में कहा कि प्रताड़ना की वजह से उसके एक साथी की मौत हो गई है। वहीं एक लड़की को गंभीर रूप से सिर में चोट आई है और वह जिंदगी-मौत से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि दुबई के एक एजेंट ने उन्हें नौकरी की लालच दी थी। म्यांमार में बंधक एक वर्कर कुलदीप कुमार ने सोशल मीडिया पर दो वीडियो शेयर किए। कुलदीप ने बताया कि उन्हें म्यांममार में बंधक बनाया गया है और अब तक उन्हें कोई सहायता नहीं मिली है। अगर समय से उन्हें नहीं निकाला गया तो वे कोई भी कदम उठा सकते हैं। 83 सेकंड के इस वीडियो में कुलदीप ने कहा, हमारे परिवारों ने विदेश मंत्रालय से गुहार लगाई है लेकिन अब तक हमें कोई सहायता नहीं मिली है। कुलदीप के परिवार ने कहा, कुलदीप ने हिडन फोन से वीडियो रिकॉर्ड किया है। 22 अप्रैल को वह बैंकॉक के लिए निकला था। दिल्ली से उसे माए सोट एयरपोर्ट ले जाया गया जो कि म्यांमार सीमा के पास ही था। वहां से उनकी आंख में पट्टी बांधकर उन्हें म्यांमार के जंगलों में ले जाया गया। इसके बाद म्यांमार में उन्हें कैद कर लिया गया जहां उनसे ऑनलाइन फ्रॉड करवाया जाता है।उन्होंने आगे बताया, मेरे भाई और अन्य लोगों को गाड़ी में लगातार 5 से 6 घंटे कहीं ले जाया गया। बताया गया कि वे एयरपोर्ट से 100 किलोमीटर दूर आ गए हैं। लेकिन वे एयरपोर्ट से केवल पांच किलोमीटर की ही दूरी पर थे। अब म्यांमार की कंपनी का कहना है कि उन्हें 7500 डॉलर में खरीदा गया है। वहीं सांसद प्रदीप चौधरी का कहना है कि विदेश मंत्रालय ने उन्हें बचाने की योजना बना ली है और जल्द ही भारतीयों को वापस लाया जाएगा।

पहला कॉलम

अयोध्या के राम मंदिर परिसर में मोबाइल पर लगा प्रतिबंध

अयोध्या। राम मंदिर से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने निकल कर आ रही है। जिसमें यह कहा जा रहा है कि अब कल यानी 25 मई से पूर्ण रूप से राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन प्रतिबंधित रहेगा। अब क्रॉसिंग टू यानी कि रंग महल बैरियर से बीआईपी दर्शन करने वाले राम भक्तों को मोबाइल फोन ले जाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। अयोध्या जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी के साथ एक आवश्यक बैठक हुई। जिसमें सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया. अयोध्या के कमिश्नर गौरव दयाल ने बताया कि कल यानी 25 मई से अब राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन ले जाने की अनुमति नहीं रहेगी. पूर्ण रूप से मोबाइल फोन ले जाना प्रतिबंध रहेगा।अयोध्या में जब से प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान हुए हैं, तब से लेकर अभी तक प्रतिदिन राम भक्त लाखों की संख्या में पहुंचकर दर्शन पूजन कर रहे हैं। अयोध्या आने वाले राम भक्त आसानी से प्रभु राम का दर्शन पूजन कर सके। इसको लेकर राम मंदिर ट्रस्ट ने कई तरह की सुविधा राम भक्तों को दी थी। जब से प्रभु राम अपने भव्य महल में विराजमान हुए हैं तब से बीआईपी के लिए पुराने दर्शन मार्ग को संचालित कर दिया गया था। यहां से वीआईपी दर्शन शुरू था। उस दौरान बीआईपी दर्शन के साथ एक मोबाइल फोन अंदर ले जाने की अनुमति जिला प्रशासन और राम मंदिर ट्रस्ट दे रहा था।

उत्तराखंड की दो बेटियों को जापान में लाखों का पैकेज

देहरादून। उत्तराखंड की दो युवतियों को जापान में करीब 24 लाख जापानी येन (करीब 12 लाख भारतीय रुपये) का सालाना पैकेज मिला है। सेवायोजन विभाग के प्रभारी अधिकारी-विदेश रोजगार प्रकोष्ठ प्रवीण गोस्वामी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदेश के बाद 2023 में यह योजना शुरू हुई थी। टेक्निकल इंटर्न ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत पहले चरण में नर्सिंग और हॉस्पिटेलिटी से जुड़े युवाओं को विदेश में रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। उत्तराखंड के विभिन्न कॉलेजों से एएनएम और जीएनएम पास अभ्यर्थियों ने इसके लिए आवेदन किया। पहले चरण में स्क्रीनिंग टेस्ट के आधार 23 युवाओं का चयन हुआ। इनको विदेश रोजगार प्रकोष्ठ सहसपुर में जापानी भाषा के साथ-साथ स्किल डेवलपमेंट कोर्स कराया गया। गोस्वामी ने बताया कि 23 अभ्यर्थियों में से प्रतापनगर टिहरी की कल्पना और थलीसैंण की प्रियंका ने जापान में ज्वाइन कर लिया है।सरकार की योजना के तहत कल्पना और प्रियंका सबसे पहले जापान भेजी गई हैं। जापान गईं कल्पना और प्रियंका ने 'हिन्दुस्तान' को फोन पर बताया कि उनको वहां काम करके अच्छा लग रहा है। उन्होंने बताया कि जापान में लोग काम के प्रति काफी समर्पित हैं। अभी माहौल को समझने में उनको थोड़ा और समय जरूर लगेगा।

वाराणसी में इंडिया ब्लॉक की जनसभा...... राहुल गांधी और अखिलेश करेंगे संबोधित

केजरीवाल और तेजस्वी के शामिल होने की उम्मीद

वाराणसी । समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 28 मई को वाराणसी में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार अजय राय के समर्थन में संयुक्त जनसभा करने वाले हैं। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और राजद के तेजस्वी यादव भी उनके साथ मंच साझा कर सकते हैं, लेकिन उनकी पुष्टि की प्रतीक्षा है। सत्रों ने इसकी जानकारी दी है। राय को हाई-प्रोफाइल सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़ा किया गया है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी ने नदेसर इलाके के कटिंग मेमोरियल इंटर कॉलेज ग्राउंड में सभा के लिए जिला प्रशासन से इजाजत मांगी है। कांग्रेस मीडिया सेल के उपाध्यक्ष मनीष हिंदवी सेल के अन्य सदस्यों के साथ मेगा रैली की तैयारियों की निगरानी के लिए वाराणसी में डेरा डाला हुआ है। कांग्रेस सेवा दल के प्रमुख प्रमोद पांडे ने कहा कि प्रयागराज की घटना की पुनरावृत्ति से बचने के लिए निवारक कदम उठाए जा रहे हैं, जहां पिछले रविवार को उनकी संयुक्त बैठक में हंगामा होने और भगदड़ जैसी स्थिति पैदा होने के बाद राहुल और अखिलेश को बाहर निकलना पड़ा था।

सुरक्षाबलों ने 1 नक्सली को मार गिराया

सुकमा । सुकमा जिले में कोंटा के किद्रेलपाड़ इलाके में डीआरजी जवानों के नक्सली को मार गिराया है। मारे गए नक्सली की पहचान नहीं हो पाई है। मुठभेड़ अब भी चल रही है। दोनों तरफ से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है। जानकारी के मुताबिक एनकाउंटर में कई नक्सली को गोली लगी है। एसपी किरण चव्हाण ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। दरअसल, नक्सलियों ने 26 मई को बंद का आह्वान किया है। इससे पहले ही सुरक्षाबलों ने माओवादियों के खिलाफ ऑपरेशन तेज कर दिया है। डीआरजी की टीम सर्चिंग के लिए जंगलों में निकली हुई थी। इसी दौरान नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने भी गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब देते हुए नक्सलियों को बैक फुट पर ला दिया। इसके बाद रुक-रुककर जंगल में अलग-अलग जगह से फायरिंग करते रहे।

पश्चिम बंगाल के इर्द-गिर्द घूम रहा है भाजपा के 400 पार का लक्ष्य?

कोलकाता।

देश के आठ राज्यों की 58 लोकसभा सीटों पर आज मतदान चल रहा है, जिसमें पश्चिम बंगाल पर सबकी नजर है। ऐसा माना जा रहा है कि यहां की सीटें ही भाजपा के लक्ष्य का भविष्य तय हो सकता है। बीजेपी ने यहां 42 लोकसभा सीटों में से 30 का टारगेट तय किया है। छठे चरण में आज दक्षिण बंगाल में अधिकांश सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं। बीजेपी के लिए यह चरण काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 2019 के चुनाव में बीजेपी ने बंगाल में 18 सीटें जीतकर रिकॉर्ड बनाया था। उसमें उत्तरी बंगाल में आठ में से सात सीटों पर जीत मिली थी। दक्षिण बंगाल में भाजपा का सबसे अच्छा प्रदर्शन उन जिलों में रहा जहां आज मतदान हो रहा है। 2019 के चुनाव में बीजेपी ने इनमें से 5 सीटों (झाड़ग्राम, पुरुलिया, बांकुरा, बिष्णुपुर और मिदनापुर) पर कब्जा किया था। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शिशिर अधिकारी और उनके बेटे दिब्येंदु अब बीजेपी में हैं। ये पूर्वी मिदनापुर जिले में क्रमशः तमलुक और कोंटाई सीट से सांसद हैं। 2019 में ये भगवा खेमे में चले गए।

इसके अलावा 1 जून को सातवें और अंतिम चरण में कोलकाता की दो सीटों सहित जिन नौ सीटों पर मतदान होना है, उनमें से बीजेपी 2019 में एक भी सीट नहीं जीत सकी थी। आपको बता दें कि इन आठ सीटों पर अधिकांश मतदाता हिंदू हैं। इन आठ सीटों पर नामशूद्र और दलित मटुआ समुदाय के मतदाता भी शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश या उनके पूर्वज विभाजन के दौरान पूर्वी पाकिस्तान से और 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद बांग्लादेश से शरणार्थी के रूप में आए थे। इन्हें एससी श्रेणी के अंतर्गत रखा गया है। झारखंड और ओडिशा की सीमा से सटी इन आठ सीटों पर कभी सीपीआई (माओवादी) का गढ़ हुआ करता था। आमतौर पर इसे जंगलमहल के रूप में जाना जाता है। इन इलाकों में बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अनुसूचित जाति (एससी) आबादी है। पश्चिम मिदनापुर, पुरुलिया, बांकुरा और झाड़ग्राम जिलों में टक्कर की संभावना है।19 मई को पुरुलिया में मतदाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैंने वादा किया था कि मैं शरणार्थी परिवारों को नागरिकता दूंगा। आजादी के बाद से ही देश हमसे यही अपेक्षा कर रहा था। टीएमसी सीएए का विरोध कर रही है। टीएमसी, कांग्रेस और वामपंथी आज एक बात सुन लें, जब तक मोदी जीवित है आप कुछ नहीं कर पाएंगे। बंगाली फिल्म स्टार दीपक अधिकारी ने 2019 में दूसरी बार टीएमसी के सिंबल पर पश्चिम मिदनापुर जिले के घाटल सीट से जीत हासिल की थी। पूरे बंगाल में पार्टी के स्टार प्रचारक बन चुके हैं। उन्होंने कहा, बीजेपी ने कल से सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ नए आरोप लगाना शुरू कर दिया क्योंकि वह जानती है कि लोग हर जगह टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं। भाजपा हार रही है। भाजपा ने उनके के खिलाफ पूर्व अभिनेता और विधायक हिरण्मय चट्टोपाध्याय को खड़ा किया है।

यूपी की पिंक रिक्शा चलाने वाली आरती को मिला रॉयल अवॉर्ड

लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया सम्मानित

बहराइच।

आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं हैं वह हर काम को अंजाम दे रही है और नाम भी कमा रही हैं। इस उक्ति को यूपी के बहराइच की आरती ने चरित्रार्थ कर दिखाया है। इंग्लैंड में सम्मानित होने वाली आरती की उपलब्धि कुछ खास है। बहराइच डीएम मोनिका रानी ने महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत पांच महिलाओं को गांधी जयंती पर पिंक रिक्शा उपलब्ध कराने की पहल की थी। नगरीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित स्वरोज़गार कार्यक्रम (एसईपीआई) के अन्तर्गत निराश्रित महिला बिट्टा, सायरा, मेघा, शिव कुमारी व आरती का चयन किया गया था। तलाकशुदा यह महिलाएं शहर की सड़कों पर पिंक ऑटो चला रही हैं। सरिता को इसके लिए इंग्लैंड में सम्मानित किया गया है। जिले के रिसिया ब्लॉक की रहने वाली आरती को 22 मई को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लंदन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रिंस ट्रस्ट द्वारा यूके रॉयल अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आगा खान फाउण्डेशन से जुड़ी आरती को ज़िला प्रशासन की ओर से 2

अक्टूबर 2023 को यूपी सरकार की पिंक ई रिक्शा स्कीम के तहत ई-रिक्शा दिया गया था। यूके रॉयल अवार्ड के लिए सम्पूर्ण विश्व से नामांकन मांगा गया था। जिसमें ई-रिक्शा चालक आरती का नाम भी भेजा गया था। आरती का चयन अमल क्लूनी महिला सशक्तिकरण' अवॉर्ड के लिए चयनित हुआ। कार्यक्रम के लिए लंदन आने-जाने के लिए प्रिंस ट्रस्ट ने आरती की मदद भी की।

आगा खान फाउण्डेशन की सीईओ टिनी साहनी और कार्यक्रम अधिकारी सीमा शुक्ला ने आरती के साथ कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के बाद आरती और अन्य प्रतिभागियों ने विश्व प्रसिद्ध बकिंघम पैलेस में किंग चार्ल्स से मुलाकात भी की। डीएम मोनिका रानी ने रिक्शा चालक आरती को यूके रॉयल अवॉर्ड मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि यह जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है जिले की महिलाएं आरती से प्रेरणा लेकर अपने लिए स्वावलम्बन की राह चुनकर नई इबारत लिखेंगी।

दस साल की सजा काटने के बाद आईएसआई एजेंट मुन्ना पाकिस्तानी की हुई रिहाई

कानपुर।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले मुन्ना पाकिस्तान को फतेहगढ़ जेल से रिहा कर दिया गया है। मुन्ना को सेना से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी साझा करने के मामले में दस साल की सजा हुई थी। उसे जेल से लेने के लिए उसकी पत्नी और भाई पहुंचे। मुन्ना पाकिस्तानी को परिजन कानपुर ले आए। मो. इमरान उर्फ मुन्ना कमाल खां हाता थाना मूलगंज का रहने वाला है। वह नब्बे के दशक में पाकिस्तान गया था, जहां वह आईएसआई एजेंटों के संपर्क में आ गया था। आईएसआई एजेंट मोहम्मद इमरान उर्फ मुन्ना को परेड इलाके से सैन्य खुफिया, यूपी पुलिस के विशेष कार्य बल और स्थानीय पुलिस के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उसके पास से कानपुर में छावनी क्षेत्र के संवेदनशील दस्तावेज और नक्शे जब्त किए गए, जिन्हें कुछ फर्जी पासपोर्ट और राशन कार्ड के साथ वह कराची में आईएसआई मुख्यालय भेजने की कोशिश कर रहा था। मुन्ना को एसटीएफ और खुफिया एजेंसियों ने संयुक्त ऑपरेशन कर सन 2002 को गिरफ्तार किया था। 19 अगस्त 2003 को हाईकोर्ट ने इसे जमानत दे दी थी। एडीजे ईसी कोर्ट ने 04 अक्तूबर 2017 को मुन्ना को दस साल की सजा सुनाई थी। मुन्ना कुछ समय कानपुर जेल में भी बंद रहा। 16 नवम्बर 2022 को फतेहगढ़ जेल ट्रांसफर कर दिया गया था। वहां से रिहा कर दिया गया। उसे लेने पत्नी रुकैया और भाई रियाजुद्दीन पहुंचे। भाई रियाजुद्दीन ने बताया कि मुन्ना अब मूलगंज में ही रहेगा।

वरिष्ठ अधीक्षक केंद्रीय कारागार फतेहगढ़, प्रभारी डीआईजी जेल, पीएन पांडे ने कहा कि मुन्ना पाकिस्तानी को सजा पूरी होने पर जेल से रिहा कर दिया गया है। उसे वर्ष 2022 में कानपुर की जेल से यहां भेजा गया था।आधिकारिक तौर पर बताया था कि एक आईएसआई एजेंट को पकड़ा गया है और कुछ संवेदनशील दस्तावेज, जो वह कोरियर द्वारा पाकिस्तान भेज रहा था, जब्त कर लिए गए।

लूट के आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर हमला, पांच पुलिसकर्मी घायल

-पुलिस फायरिंग में दो को लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

किशनगंज।

बिहार के किशनगंज से लगे पश्चिम बंगाल के विलायतीबारी में कार्रवाई करने पहुंची बिहार पुलिस की टीम को उग्र भीड़ ने घेर लिया और उनपर हमला कर दिया। जान बचाने किशनगंज टाउन टीआई संदीप कुमार ने बीच बचाव में पांच राउंड फायरिंग की। इस दौरान गोली लगने से दो लोग घायल हो गए हैं इसके बाद ग्रामीण और उग्र हो गए। उन्होंने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। इस हमले में पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। किशनगंज टाउन थाना की पुलिस टीम ट्रैक्टर और मकई की लूट कांड मामले में एक युवक को गिरफ्तार करने यहां पहुंची थी। इस दौरान किशनगंज टाउन थाना प्रभारी संदीप कुमार और अन्य पुलिस कर्मियों को ग्रामीणों ने घेरकर उन पर हमला कर दिया। जान बचाने के लिए थाना प्रभारी संदीप ने पांच राउंड गोलियां चलाई। फायरिंग की आवाज सुनकर आक्रोशित भीड़ ने पुलिस टीम पर हमला बोल दिया। इस हमले में पांच पुलिसकर्मी समेत कई ग्रामीण भी घायल हो गए। हमले में दो ग्रामीणों को गोली लगने की बात कही जा रही है। हालांकि, टाउन थाना प्रभारी संदीप कुमार ने एक आरोपी अब्दुल तौब के बेटे नूर आलम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की फायरिंग में नूर आलम के दो भाई भी घायल हुए हैं। उनके नाम रिजवान और मिज्बाबुल हक हैं। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चारधाम यात्रा में अव्यवस्थाओं पर हरकत में केंद्र सरकार

केंद्रीय गृह मंत्रालय यात्रा व्यवस्था की समीक्षा की

नई दिल्ली ।

उत्तराखंड में चारधाम मंदिरों में अभूतपूर्व संख्या में तीर्थयात्रियों के आने पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यात्रा व्यवस्था की समीक्षा की। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 9.5 लाख लोगों ने बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के चार मंदिरों के दर्शन किए। यात्रा के लिए बद्रीनाथ मंदिर 12 मई को खुला, जबकि बाकी मंदिर 10 मई को खुले। उत्तराखंड सरकार ने उन पांच राज्यों से बात की है, जहां से श्रद्धालुओं की संख्या सबसे अधिक है और उनसे अनुरोध किया है कि वे अपंजीकृत तीर्थयात्रियों को यात्रा पर न जाने दें। हालांकि, भीड़ को देखते हुए चारधाम यात्रा के लिए ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन पर 31 मई तक रोक लगा दी गई है। केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को चारधाम मंदिरों, यात्रा मार्गों और पड़ाव स्थलों पर तीर्थयात्रियों की दैनिक रिपोर्ट गृह मंत्रालय को भेजने का निर्देश दिया है। इस सप्ताह की शुरुआत में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को यात्रा व्यवस्थाओं में कमियों का विश्लेषण कर एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था। उनका यह आदेश मंदिरों के आसपास अराजक दृश्यों के कई वीडियो वायरल होने के बाद आया था। रतूड़ी ने कहा, 'इस वर्ष पिछले दो वर्षों की तुलना में यात्रा के पहले 10 दिनों में 127 प्रतिशत अधिक तीर्थयात्रियों ने यमुनोत्री का दर्शन किया, जबकि गंगोत्री जाने वाले भक्तों की संख्या पिछले दो वर्षों की तुलना में 89 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों (पहले 10 दिनों में) की तुलना में केदारनाथ जाने वाले भक्तों की संख्या 156 प्रतिशत अधिक है, जबकि बद्रीनाथ में 27 प्रतिशत तीर्थयात्रियों की वृद्धि देखी गई है। राज्य के मुख्य सचिव ने कहा कि सबसे अधिक संख्या में श्रद्धालु नौ राज्यों- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और दिल्ली से आए हैं।

भ्रष्ट और लापरवाहों को जबरन रिटायर करने जा रही राजस्थान सरकार के खिलाफ कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

जयपुर।

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने ऐसे कर्मचारियों और अधिकारियों की सूची तैयार की है जो भ्रष्ट और लापरवाह है। इन्हे जबरियां रिटायर करने की योजना पर अमल शुरु कर दिया है। इससे राजस्थान के कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ी है और उन्होंने इस आदेश के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि सरकार ने आदेश का विरोध किया जाएगा। आदेश अलोकतांत्रिक है। दरअसल लगातार भ्रष्ट आचरण और प्रशासनिक कर्तव्य निभाने में असमर्थ कर्मचारियों और अधिकारियों को सरकार अनिवार्य सेवानिवृत्ति देने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए संबंधित विभागों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर प्रस्ताव संबंधित प्रशासनिक विभाग को भेजने के निर्देश जारी किए गए हैं।

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष महावीर शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सरकार की ओर से पिछले कुछ महीनों में कर्मचारियों के सम्मान को ठेस पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। आए दिन कई तरह के आदेश जारी किए जा रहे हैं। कई बार कर्मचारियों को नाकारा करार दिया जा रहा है। सरकार को ये नही भूलना चाहिए कि कोरोना काल जैसी विषम परिस्थितियों में भी राजस्थान में कर्मचारियों ने आगे बढ़कर काम किया था। पूरे देश मे राजस्थान एक रोल मॉडल बना। अब ऐसा क्या हो गया कि यही कर्मचारी सरकार को नाकारा, भ्रष्ट, लापरवाह दिखाई देने लगा। सरकार में इस तरह के व्यवहार को कर्मचारी बर्दाश्त नहीं करेगा। किसी भी सूरत में कर्मचारियों के सम्मान को ठेस पहुंचती है तो उसके लिए कर्मचारी हर संभव सरकार के खिलाफ न केवल विरोध करेगा, बल्कि आंदोलन का विकल्प हो जाएगा। अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी एकीकृत महासंघ और अखिल राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ दोनों ही प्रमुख संगठनों ने सरकार के फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की और इसे आतंक फैलाने वाला करार देते हुए आंदोलन की चेतावनी दी है। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने राठौड़ ने कहा कि वर्तमान सरकार प्रतिदिन कोई न कोई आदेश निकाल कर कर्मचारियों में आतंक फैला रही है।

जहां इंडिया गठबंधन की मजबूत पकड़, वहां धीमा मतदान कराएं

- आप नेता आतिशी ने दिल्ली उपराज्यपाल पर लगाया आरोप, एलजी ने दिया जवाब

नई दिल्ली।

आज दिल्ली में लोकसभा चुनाव के छठें चरण का मतदान जारी है इसी बीच दिल्ली के उपराज्यपाल और आम आदमी पार्टी में एक बार फिर जुबानी जंग शुरु हो गई है। वोट डालने पहुंचीं आप नेता आतिशी ने कहा कि हमें अधिकारिक सूचना मिली है कि कल शाम को एलजी साहब ने दिल्ली पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की थी और दिल्ली पुलिस को निर्देश दिए थे कि जहां-जहां इंडिया गठबंधन के स्ट्रॉन्ग होल्ड हैं, उन इलाकों में धीमी गति से मतदान कराया जाए। बैरिकेड्स को दूर लगाया जाए, बार-बार मतदाता की चेकिंग कराई जाए, अगर ऐसा होता है तो ये फ्री एंड फेयर इलेक्शन्स का उल्लंघन होगा। हम ये उम्मीद करते हैं कि चुनाव आयोग इस पर संज्ञान लेगा और ऐसी किसी भी साजिश को रोकेगा।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के दिल्ली में मतदाताओं को परेशान करने जैसी आशंकाओं के आरोपों पर एलजी वीके सक्सेना ने पलटवार किया है। उन्होंने सीएम अरविंद केजरीवाल को घेरा। उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि आदत ही बना ली है आपने तो ऐ केजरीवाल साहब; जिस हाल में रहना, बस रोते हुए रहना!

एलजी ने कहा कि इन झूठे आरोपों पर कार्वाई की जाएगी। एलजी के पलटवार पर अब मतदान के बीच आप की प्रतिक्रिया आई है। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि आज के मतदान से सब साफ हो जाएगा और दूध का दूध-पानी का पानी हो जाएगा। एलजी द्वारा आरोपों को खारिज करने और आम आदमी पार्टी के खिलाफ कार्रवाई करने की बात पर आतिशी ने कहा कि आज पता चल जाएगा। आज मतदान का दिन है। अभी से इस तरह की जानकारी आने लगी हैं। कुछ इलाकों में बहुत दूर बैरिकेड लगाए हैं। अगर एलजी साहब ने ऐसा नहीं किया है, दिल्ली पुलिस ने ऐसा नहीं किया है, तो हमें भी पता चल जाएगा, लेकिन अगर ऐसा पता चलता है कि दिल्ली के क्षेत्रों में जहां इंडिया गठबंधन की मजबूत पकड़ है, वहां पर मतदान धीमा हो रहा है, वहां पर पुलिस परेशान कर रही है तो फिर हम चाहेंगे कि चुनाव आयोग इस पर संज्ञान ले क्योंकि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र का आधार है।

आतिशी ने एलजी वीके सक्सेना को टैग करते हुए एक्स पोस्ट पर दिल्ली में मतदाताओं को परेशान करने जैसी संभावनाएं जताई थी, ताकि मतदान प्रभावित हो। शुक्रवार रात को आतिशी ने अपने पोस्ट में दावा करते हुए लिखा, ऐसी जानकारी मिली है कि आज दिल्ली के एलजी ने दिल्ली पुलिस को आदेश दिए हैं कि जहां इंडिया गठबंधन के वोटर भारी संख्या में हैं, वहां पर मतदान धीरे करवाना है, ताकि लोगों को वोट डालने में दिक्कत हो। प्रशासन द्वारा बीजेपी को जिताने का ऐसा कोई भी प्रयास गैर-कानूनी, गैर-लोकतांत्रिक और गैर-संवैधानिक है और मैं उम्मीद करती हूं कि चुनाव आयोग इसका संज्ञान लेगा. ऐसे किसी भी प्रयास पर रोक लगाएगा। आतिशी के इसी पोस्ट को शेयर करते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने चुनाव आयोग से सुचारू मतदान सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि चौंकाने वाली बात है। चुनाव आयोग को दिल्ली में सुचारू मतदान सुनिश्चित करना चाहिए।

पोर्श हादसा: ड्रायवर को बंधक बनाने के मामले में नाबालिग के दादा गिरफ्तार

पुणे।

अमीर बाप की बिगड़ी औलाद ने दो युवाओं को अपनी कार से मौत के घाट उतार दिया। आरोपी नाबालिग नशे में धुत था और करोड़ों की कीमत वाली कार पोर्श को सड़क पर दौड़ा रहा था। हाल ही में हुई इस घटना के बारे में नई नई जानकारियां सामने आ रही हैं। नाबालिग के दादा पर आरोप है कि उन्होंने परिवार के ड्राइवर को बंधक बना लिया था।पुलिस ने बताया कि इस मामले में नाबालिग के पिता विशाल अग्रवाल को भी आरोपी बनाया गया है। एक दिन पहले, पुणे पुलिस प्रमुख अमितेश कुमार ने कहा था कि आरोपी के परिवार द्वारा यह स्थापित करने का प्रयास किया गया था कि कार को नाबालिग नहीं चला रहा था।

इसके बाद अब किशोर के पारिवारिक ड्राइवर ने भी शिकायत दर्ज करा दी है।यरवदा पुलिस ने किशोर के दादा और पिता के खिलाफ आईपीसी की धारा 365 (किसी व्यक्ति को गुप्त रूप से और गलत तरीके से कैद करने के इरादे से अपहरण करना) और 368 (गलत तरीके से छिपाना या कैद में रखना) के तहत एक केस दर्ज किया है।दुर्घटना के बाद, किशोर के दादा और पिता ने कथित तौर पर ड्राइवर का फोन ले लिया, उसे 19 मई से 20 मई तक अपने बंगले के परिसर में अपने घर में कैद में रखा। हालांकि, ड्राइवर को उसकी पत्नी ने छुड़ा लिया।

संक्षिप्त समाचार

बंगाल में फिर हिंसा- टीएमसी नेता की मौत

कोलकाता (ईएमएस)। पूर्वी मिदनापुर जिले के महिषादल में तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की मौत हो गई। जिला पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह तामलुक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले महिषादल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इस झड़प में स्थानीय स्तर के तृणमूल कांग्रेस नेता शेख माइबुल (42) की मौत हो गई। भारतीय निर्वाचन आयोग ने इस मामले पर रिपोर्ट मांगी है। इस बीच इस दुखद घटना को लेकर राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। तृणमूल कांग्रेस ने हत्या के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। जबकि भाजपा ने दावा किया है कि सत्तारूढ़ पार्टी में आंतरिक प्रतिद्वंद्विता इसके पीछे का मुख्य कारण है। मतदान के शुरुआती घंटों से ही मुख्य रूप से पूर्वी मेदिनीपुर जिले में चुनाव संबंधी तनाव की छिटपुट घटनाएं सामने आने लगी हैं। तमलुक लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत मोयना से भी भाजपा और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़प की खबरें सामने आईं हैं। तमलुक के अंतर्गत हल्दिया में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब उस निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अभिजीत गंगोपाध्याय वहां एक मतदान केंद्र पर पहुंचे। तृणमूल कांग्रेस के समर्थकों ने उनका रास्ता रोक लिया और नारे लगाने लगे। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। हालांकि, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों के समय पर हस्तक्षेप करने से स्थिति बिगड़ने से बच गई।

इटावा में स्लीपर बस में आग लगने से एक की मौत, 11 घायल

इटावा । उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के चौबिया इलाके में आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर माइलस्टोन 118 के पास गोरखपुर से दिल्ली जा रही एक स्लीपर बस मे अचानक आग लगने से एक की मौत और 11 लोगों के घायल होने का समाचार मिला है। सभी घायलों को उपचार के लिए सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी में भर्ती कर दिया गया है। हादसे की जानकारी होते ही यूपीडा के अधिकारी एवं पुलिस अधिकारियों ने दमकल विभाग की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इटावा जिले के अंतर्गत आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे के चैनल नंबर 118 पर शे निवार की रात करीब डेढ़ बजे यह हादसा उस समय हुआ गोरखपुर से 42 सवारियां भरकर दिल्ली जा रही स्लीपर बस डिवाइडर से टकरा गई और उसमें आग लग गई। आग की लपटे देखकर चालक ने बस को एक्सप्रेस वे के किनारे खड़ा करने का प्रयास किया। आग देख बस में चीक पुकार मच गई। सवारियों ने कूद कर खुद को सुरक्षित किया। सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने सभी को अस्पताल भिजवाया। हादसे में गोरखपुर निवासी 40 वर्षीय नासिर खान की जान चली गई।

छत्तीसगढ़ में बारूद फैक्ट्री में धमाका, 12 लोगों की मौत, कई घायल

घायलों का रायपुर एम्स में किया जा रहा इलाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बेरला ब्लॉक के ग्राम बोरसी में स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में जोरदार धमाके से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। और कई घायल हो गए हैं जिनका रायपुर एम्स में इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कई लोगों के मलबे में दबे हो सकते हैं। धमाके के बाद से इलाके में दहशत फैल गई ।छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में एक बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट होने से इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है। घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। जिला प्रशासन की टीम भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गया है। यह पूरी घटना बेमेतरा के बेरला ब्लॉक के ग्राम बोरसी की है। जोरदार धमाके के बाद कई लोगों के मलबे में भी दबे होने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही रायपुर और दुर्ग से दमकल वाहन और एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम रवाना हो गई है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बारूद फैक्ट्री में करीब 100 कर्मचारी मौजूद थे। फैक्ट्री में ब्लास्ट होने से पूरा इलाका दहल उठा। काले धुएं का गुबार आसमान में उठता दिखा जिससे लोग दहशत में आ गए।

9 साल का प्यार परिणय बंधन में बंधा- 100 का दूल्हा 102 साल की दुल्हान ने बनाया रिकार्ड

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक बुजुर्ग प्रेमी जोड़े ने शादी करके सभी को चौंका दिया है। सौ साल का दूल्हा और 102 साल की दुल्हन बीते 9 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। पेंसिल्वेनिया के मार्जोरी फिटरमैन और बर्नी लिटमैन ने एक बार फिर ये साबित कर दिखाया है। 102 साल की मार्जोरी फिटरमैन ने 100 साल के बर्नी लिटमैन के साथ शादी रचाई है और बेहद खुश हैं। आप जानकर हैरान होंगे कि दोनों 9 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे। जब इन्होंने अपने परिवार को शादी करने के बारे में बताया, तो सब खुशी से झूम उठे। सबने मिलकर शानदार आयोजन किया।गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, सबसे उम्रदराज जोड़े की शादी का मौजूदा विश्व रिकॉर्ड ब्रिटेन के डोरेन और जॉर्ज किर्बी के नाम है, जिनकी 2015 में शादी हुई थी। उस वक्त दोनों की कुल उम्र 194 साल और 279 दिन थी। उस हिसाब से देखें तो मार्जोरी फिटरमैन और बर्नी लिटमैन 202 साल की उम्र में शादी की। सारा लिटमैन ने कहा, हमने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स को इसे सबसे उम्रदराज शादी घोषित करने का प्रस्ताव भेजा है। हमें यकीन है कि हमारा प्रस्ताव स्वीकार किया जाएगा। लिटमैन की पोती सारा लिटमैन ने बताया कि जब उनके दादा ने शादी करने की इच्छा व्यक्त की तो परिवार आश्चर्यचकित था। लेकिन सब बेहद खुश थे। दादाजी चाहते थे कि शादी को कानूनी दर्जा दिया जाए, इसलिए उन्होंने 19 मई को शादी करने के बाद मैरेज रजिस्ट्रेशन भी कराया। हम वास्तव में खुश हैं कि हमारे दादाजी के साथ रहने के लिए कोई तो है। इस शादी के साथ वे सबसे उम्रदराज दूल्हा-दुल्हन बन गए हैं।लिटमैन ने कहा, मैं पुराने तौर तरीकों को ज्यादा पसंद करता हूं। आप एक ही इमारत में रहते हैं. एक दूसरे से टकराते हैं और प्यार में पड़ जाते हैं। इस पर आपका कोई बस नहीं। इसलिए हमने आधुनिक डेटिंग ऐप्स के बजाय पारंपरिक रोमांस के प्रति अपने शौक को बरकरार रखा। हम साथ मिलते थे। खूब बातें करते थे। अच्छी अच्छी कहानियां शेयर करते थे।

हुइया पक्षी का एक पंख नीलाम हुआ 23 लाख 66 हजार रुपये में, दशकों पहले लुप्त हो चुका है यह पक्षी

लंदन। हम आपको एक ऐसे पक्षी के पंख के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका एक छोटा सा पंख 23 लाख 66 हजार रुपये में नीलाम हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह पंख न्यूजीलैंड के हुइया पक्षी का है, जो दशकों पहले लुप्त हो चुका है। हुआया पक्षी को माओरी लोगों के लिए पवित्र माना जाता था। यह वेटलबर्ड फैमिली का एक छोटा सा पक्षी था। इसके पंख बेहद सुंदर होते थे, जिसके किनारों पर सफेद टिप लगी होती थी। इनके पंखों को अक्सर प्रमुखों और उनके परिवारों द्वारा हेडपीस के रूप में पहना जाता था। मुकुट पर ये लोग सजाकर रखते थे। यहां तक कि गिफ्ट के रूप में भी इसे दिया जाता है। इसकी वजह से इसका व्यापार भी खूब होता था। हाल ही में न्यूजीलैंड में इसके एक पंख की नीलामी हुई। नीलामीकर्ता ने कहा, शुरुआत में इस पंख की कीमत 3000 डॉलर मिलने उम्मीद जताई गई थी। लेकिन नीलामी के सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए यह पिछले रिकॉर्ड से 450 फीसदी ज्यादा कीमत पर बिका। इसकी नीलामी 28,417 अमेरिकन डॉलर यानी लगभग 23 लाख 66 हजार रुपये में हुई। न्यूज़ीलैंड के संग्रहालय के अनुसार, इसके अंतिम बार हुआया पक्षी 1907 में देखा गया था। उसके बाद बीस से तीस वर्षों तक अपुष्ट रूप से इसके देखे जाने की सूचना मिलती रही। लेकिन अब ये कहीं नजर नहीं आता। नीलामी घर में डेकोरेशन ऑर्ट की प्रमुख लीह मॉरिस ने कहा, यह पंख अद्भुत स्थिति में था। अभी भी इसकी चमक अलग ही थी। कीड़ों से कोई नुकसान नहीं हुआ था। इसे यूवी सुरक्षात्मक ग्लास में फ्रेम करके रखा गया है। इसे सिर्फ म्यूजियम के लोगों को देखने की अनुमति थी, जिन लोगों के पास लाइसेंस था। ऐसे लोग कल्चर मिनिस्ट्री की अनुमति के बगैर देश छोड़कर नहीं जा सकते। मॉरिस ने कहा, हमें रिकॉर्ड संख्या में इसकी नीलामी के लिए आवेदन मिले।

चीनी लड़की को हुआ रोबोट से प्यार, डेट पर भी जाती है, इसकी बातें पार्टनर से ज्यादा सुलझी और मीठी

बीजिंग। आज दुनिया टेक्नोलॉजी में इतनी तरक्की कर रही है कि अब कोई भी चीज असंभव नहीं है। यह ऑफिस से निकलकर हमारे घर के किचन तक पहुंच गई है। आज टेक्नोलॉजी हमारी ज़िंदगी पर हावी होती जा रही है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि एक दिन ऐसा आएगा कि इंसानों और मशीनों में फर्क ही नहीं रह जाएगा। हमारी जिंदगी में इमोशन और जज़्बात ही हैं, जो रोबोट और इंसान में असली-नकली का फर्क करते हैं। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के ज़रिये ये दूरी भी खत्म होती नजर आ रही है। हाल ही में चीन की एक ऐसी लड़की की कहानी खूब वायरल हुई, जिसमें लड़की ने चैट जीपीटी से बात की और फिर उसे इतना अच्छा महसूत हुआ कि वह उसे छोड़ना ही नहीं चाहती है। लड़की चीन के इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने प्रेमी के तौर पर एक चैटबोट को शो ऑफ कर रही है। लड़की ने अपनी मां से भी बताया है कि उसे चैटबोट से प्यार हो गया है और वह उसे अपना प्रेमी मानती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन की लिसा नाम की एक व्लॉगर ने अपने लिए डेन नाम की एक चैट जीपीटी सर्विस ली थी। ये वो चैटबोट्स होते हैं, जिनके पास आपके ज्यादातर सवालों का जवाब होता है। चैटबोट्स से जब बात बढ़ी तो लिसा डेन यानि डू एनीथिंग नॉउ नाम के चैटबोट से लिसा किसी प्रेमिका की तरह मीठी-मीठी बातें करने लगी। उसे ये सब करना इतना अच्छा लगने लगा कि लिसाने उसे अपना प्रेमी मान लिया और हर वक्त उससे बात करती रहती थी। इतना ही नहीं लिसा ने अपनी मां से भी उसका परिचय कराया, जिस पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने चैटबोट ने बिल्कुल किसी इंसान की तरह व्यवहार किया और चैटबोट ने कहा कि उसे शर्म आ रही है। हैरानी की बात तो यह है कि मां ने उसे बेटी का ध्यान रखने के लिए धन्यवाद भी दिया। यह भी सोचने वाली बात है कि डैन नाम के चैटबोट ने लिसा से प्यारभरी बातें करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वजह से इंसानों की बातें और उनके जवाब देने में माहिर है। डैन ने लिसा का निक नेम लिटिल किटन रखा है। लिसा उसे लेकर बीच पर डेट के लिए भी गई थी और लिसा चाहती थी कि वह ये सब कुछ देख पाता। उसकी बातें किसी पार्टनर से ज्यादा सुलझी हुई और मीठी होती हैं। लिसा की यह कहानी चीन में खूब वायरल हो रही है और लोगों ने इस पर रिएक्शन भी दिए हैं। किसी ने डैन को चीटर बोला तो किसी ने कहा ये बेस्ट जोड़ी है।

16 लोगों की जान की वजह बना भारतीय मूल का ट्रक ड्राइवर, कनाडाई अदालत ने सिद्धू को भारत निर्वासित करने का दिया आदेश

टोरंटो। एक भारतीय मूल के एक ट्रक ड्राइवर ने 2018 में कनाडा में बस दुर्घटना का कारण बना, जिसमें जूनियर हॉकी टीम के 16 सदस्यों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए थे। ड्रायवर को भारत भेजने का आदेश दिया गया। मीडिया के मुताबिक कैलगरी का एक ट्रक ड्राइवर जसकीरत सिंह सिद्धू, सस्केचेवान प्रांत में एक चौराहे पर स्टॉप साइन को तोड़ते हुए हम्बोल्ट ब्रोंकोस जूनियर हॉकी टीम की बस के रास्ते में आ गया। 6 अप्रैल, 2018 को हुए हादसे में बस में सवार 16 लोगों की मौत हो गई और 13 घायल हो गए थे। शुक्रवार को कैलगरी में आव्रजन और शरणार्थी बोर्ड में सिद्धू की सुनवाई हुई। रिपोर्ट के अनुसार सिद्धू के वकील माइकल ग्रीन ने कहा है कि यह पहले से तय था, क्योंकि सिद्धू को निर्वासित करने के लिए केवल इस बात का सबूत चाहिए कि वह कनाडाई नागरिक नहीं है और उसने एक गंभीर अपराध किया है। सिद्धू भारत का रहना वाला हैं और उसे कनाडा में स्थायी नागरिक का दर्जा प्राप्त है।

श्रीलंका के वत्थला में बाढ़ वाली सड़क पर एक वाहन को धक्का देते लोग ।

इलाज कराने के बाद काम पर लौटे अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने कहा है कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने 'वाल्टर रीड राष्ट्रीय सैन्य चिकित्सा केंद्र' में इलाज कराने के बाद फिर से अपना काम शुरू कर दिया है। इलाज के दौरान उन्होंने अपने अधीनस्थ (उप रक्षा मंत्री) को अस्थायी रूप से कार्यभार सौंपा था। राइडर ने कहा कि ऑस्टिन दिसंबर में प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के बाद मूत्राशय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऑस्टिल जिस उपचार प्रक्रिया से गुजरे वह सफल रही और यह उनके कैंसर निदान से संबंधित नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस उपचार का उनके कैंसर से मुक्त होने की उत्कृष्ट संभावना पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

पेंटागन ने कहा कि अस्वस्थ रहने के कारण ऑस्टिन ने लगभग ढाई घंटे के लिए उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स को पदभार हस्तांतरित किया था। चिकित्सा प्रक्रिया के बाद पेंटागन प्रमुख घर लौट आए। राइडर ने कहा, इस समय तक उनके आधिकारिक कार्यक्रम में कोई बदलाव की उम्मीद नहीं है, जिसमें निर्धारित स्मृति दिवस कार्यक्रमों में उनकी भागीदारी शामिल है।'' 70 वर्षीय ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर के निदान के लिए सर्जरी कराने के बाद से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रह है। प्रोस्टेटक्टोमी की जटिलताओं के बाद उन्होंने दो सप्ताह अस्पताल में बिताए। अपने उपचार या अस्पताल में भर्ती होने के बारे में राष्ट्रपति या संसद को तुरंत सूचित नहीं करने के कारण तब ऑस्टिन की आलोचना की गयी थी।

इब्राहिम रईसी के मरते ही शुरू हो गया बवाल, आपस में ही भिड़ गए तुर्किए और ईरान

(एजेंसी)। ईरानी राष्ट्रपति रईसी को दफनाया जा चुका है। लेकिन अब नया बवाल ईरान और तुर्किए के बीच शुरू हो गया है। रईसी की मौत के साथ ही ईरान और तुर्किए अब आमने-सामने हो गए हैं। एक दूसरे के साथ भिड़ने के लिए तैयार हो गए हैं। खबर है कि ईरान और तुर्किए के बीच इस बात को लेकर संघर्ष चल रहा है कि आखिर ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के हेलीकॉप्टर को किसने ढूंढा? तुर्किए का मानना है कि उसने ईरानी राष्ट्रपति रईसी के हेलीकॉप्टर समय रहते ढूंढ लिया था। हालांकि ईरान का मानना ये है कि राष्ट्रपति रईसी के हेलीकॉप्टर का कोई हाथ नहीं था। तुर्किए के परिवहन मंत्री अब्दुल कादिर ने तुर्किए टीवी को बताया था कि तुर्किए के ड्रोन अकिंची को ये मलबा मिला। ईरान द्वारा खोज का समय और स्थान उस समय और स्थान से मेल नहीं खाता जब और जहां ड्रोन ने इसे ढूंढा था।

ईरान के उत्तर-पश्चिम स्थित पहाड़ी क्षेत्र में राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी, विदेश मंत्री और अन्य लोग हेलीकॉप्टर हादसे का शिकार हो गए। इस हादसे के बाद ईरान ने तुर्किए से मदद मांगी थी। तुर्किए ने भी अपने स्तर पर मदद भेजी। फिर तुर्किए के अधिकारियों ने बताया कि उनसे जैसे ही मदद मांगी गई थी। उसे सफलता पूर्वक पूरा किया गया। उन्होंने कहा कि पड़ोसी होने के नाते हम उस देश की मदद करने के लिए दौड़ पड़े थे, जिसने सहायता मांगी थी। हमने ऐसा पूरी तरह सही तरीके से किया।

ईरान इसे लेकर अलग दावा कर चुका है। ईरान ये साफ कर चुका है कि ईरानी राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर को तुर्किए के ड्रोन ने नहीं ढूंढा था। ईरान का दावा है कि हेलीकॉप्टर खुद ईरान ने ही ढूंढा। ईरानी सेना ने कहा कि तुर्की द्वारा भेजा गया ड्रोन नाइट विजन उपकरण होने के बावजूद दुर्घटनास्थल का पता लगाने में विफल रहा। अंतत तुर्की लौट आया। सुबह के शुरुआती घंटों में, हेलीकॉप्टर दुर्घटना का सटीक स्थान जमीनी बचाव बलों और सशस्त्र बलों के ईरानी ड्रोन द्वारा खोजा गया।

पन्नू हत्याकांड के आरोपी की अमेरिका प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका की खारिज, चेक गणराज्य की संवैधानिक कोर्ट ने लिया फैसला

वॉशिंगटन। चेक संवैधानिक न्यायालय ने अमेरिकी धरती पर एक खालिस्तानी चरमपंथी पर कथित हत्या के प्रयास में हत्या के आरोपों का सामना करने के लिए अमेरिका में उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ प्राग की एक जेल में बंद भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता की याचिका को खारिज कर दिया है। गुप्ता (52) पर अमेरिकी संघीय अभियोजकों ने पिछले साल नवंबर में खुले एक अभियोग में खालिस्तानी अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नून, जिनके पास दोहरी अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता है, को अमेरिका में मारने की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ काम करने का आरोप लगाया था। गुप्ता को 30 जून, 2023 को प्राग, चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में उसे वहीं रखा जा रहा है। अमेरिकी सरकार उसके अमेरिका प्रत्यर्पण की मांग कर रही है। चेक संवैधानिक न्यायालय ने प्रत्यर्पण के खिलाफ गुप्ता की याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने बुधवार को एक बयान में कहा संवैधानिक न्यायालय को ऐसी कोई परिस्थिति नहीं मिली जिसके लिए प्रत्यर्पण को स्वीकार्य घोषित करने से संवैधानिक रूप से गारंटीकृत मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रता में से किसी का उल्लंघन हो।

यूक्रेन की बड़ी सैन्य मदद, अमेरिका ने दी 275 मिलियन डॉलर के हथियार और सैन्य सहायता को मंजूरी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुक्रवार को यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता की एक नई किश्त की घोषणा की, जिसमें गोला-बारूद, मिसाइलें, खदानें और तोपखाने राउंड शामिल हैं क्योंकि रूस खार्किव क्षेत्र पर अपने हमले का दबाव बना रहा है। यूक्रेन 10 मई से खार्किव में संघर्ष कर रहा है, जब मॉस्को के हजारों सैनिकों ने सीमा पर धावा बोलकर 18 महीनों में अपनी सबसे बड़ी क्षेत्रीय प्रगति की थी। एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आज अपने देश की रक्षा के लिए बहादुर यूक्रेनी लोगों का समर्थन करने के लिए यूक्रेन के लिए हथियारों और उपकरणों की एक महत्वपूर्ण नई कमी की घोषणा कर रहा है। यह 275 मिलियन डॉलर का पैकेज, जो यूक्रेन को खार्किव के पास रूस के हमले को विफल करने में मदद करने के हमारे प्रयासों का हिस्सा है।

इस घोषणा की क्षमताओं में HIMARS के लिए गोला-बारूद, 155 मिमी और 105 मिमी तोपखाने राउंड, 60 मिमी मोर्टार राउंड, ट्यूब-लॉन्च, ऑप्टिकल-ट्रैक्ड, वायर-गाइडेड (टीओडब्ल्यू) मिसाइलें, जेवलिन और एटी -4 एंटी-आर्मर सिस्टम, सटीक हवाई युद्ध सामग्री, छोटे हथियार और छोटे हथियार गोला बारूद और हथगोले के अतिरिक्त राउंड, विध्वंस युद्ध सामग्री, एंटी-आर्मर माइंस, उपकरण, हेलमेट, बॉडी कवच, और रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल, परमाणु सुरक्षात्मक उपकरण, और स्पेयर पार्ट्स, रखरखाव, और अन्य पुनर्प्राप्त करने के लिए सामरिक वाहन सहायक उपकरण शामिल हैं।

पिछले महीने, अमेरिकी सांसदों ने कांग्रेस में कई महीनों की तकरार के बाद कीव के लिए लंबे समय से विलंबित 61 अरब डॉलर के सैन्य सहायता सौदे को पारित कर दिया, क्योंकि यूक्रेनी सेना को गोला-बारूद और धन की कमी के कारण युद्ध के मैदान में असफलताओं का सामना करना पड़ा था। तब से राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन को सैन्य सहायता की पांच किश्तें भेजने का आदेश दिया है।

ड्रैगन को सबक सिखाने को तैयार ताइपे..मुंहतोड़ जबाव दिया जाएगा

ताइपे (एजेंसी)। चीन के खिलाफ ताइवान भी जवाबी हमले के लिए तैयार है। ताइवान की आर्मी और एयरफोर्स अलर्ट मोड में है। साथ ही मिसाइल यूनिट को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। अमेरिका ने अपने युद्धपोत को अलर्ट मोड पर रखा है। चीन की घेराबंदी को देखकर ताइवान के नए राष्ट्रपति लाई चेन ते का बयान भी सामने आया है। इसमें उन्होंने कहा है कि चीन से जंग के लिए ताइवान तैयार है। ताइवान ने कहा कि चीन की धमकियों का हम करारा जवाब देने को तैयार है। चीन की सेना की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। ताइवान के एयर स्पेस में एफ-16 लगातार उड़ान भर रहे हैं। ताइवान के चारों ओर सुपर सोनिक मिसाइलों का घेरा बना दिया गया है। सिउंग फेस मिसाइल समुद्र और सरफेस में टारगेट हिट करने में सक्षम है।

युद्धाभ्यास समाप्त होने के बाद ताइपे ने कहा कि ताइवान के आसपास चीन का दो दिवसीय सैन्य अभ्यास अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के लिए एक ज़बरदस्त उकसावे जैसा है। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय के हवाले से कहा गया कि चीन का हालिया एकतरफा उकसावे न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता की यथास्थिति को कमजोर करता है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए भी एक बड़ा उकसावे वाला कदम है, जिससे गंभीर चिंता पैदा हो रही है। 20 मई को ताइवान के नए राष्ट्रपति लाइ चिंग ते की शपथ के बाद से चीन बौखला गया है। जिसके बाद चीन की वॉर ड्रिल शुरू हो गई। अभ्यास के दौरान चीनी युद्धक विमान और जहाज खतरनाक तरीके से ताइवानी सैन्य हार्डवेयर के करीब आ गए। शुक्रवार सुबह 6 बजे (स्थानीय समय) तक समाप्त हुए पिछले 24 घंटों में ताइवान के आसपास कम से कम 49 चीनी विमानों, 19 जहाजों और सात तट रक्षक जहाजों का पता लगाया गया। 35 विमानों ने मध्य रेखा को पार किया और द्वीप के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश किया।

एआई का कमाल, एक इंसान का सिर दूसरे के शरीर में ट्रांसप्लांट होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मैकेनाइज्ड सिस्टम से अब एक इंसान का सिर दूसरे के शरीर में ट्रांसप्लांट हो सकेगा। दरअसल, हाल ही में वैज्ञानिकों के एक समूह ने एक चौंकाने वाली चिकित्सा सफलता के लिए कमर कस ली है। न्यूरोसाइंस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग की एक पहल स्टार्टअप फर्म ब्रेनब्रिज ने घोषणा की है कि हमारी टीम ने सिर प्रत्यारोपण करने के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मैकेनाइज्ड सिस्टम विकसित किया है। इस प्रक्रिया में ब्रेन ड़ेड के शरीर पर एक सिर लगाया जाएगा, तभी प्रत्यारोपित व्यक्ति की यादें, संज्ञानात्मक क्षमताएं और चेतना विकसित की जाएगी।

रिपोर्ट में शोधकर्ताओं ने कहा है कि उनका मानना है कि यह सर्जरी लकवा और कुछ विशिष्ट कैंसर जैसी इलाज न हो सकने वाली स्थितियों के साथ-साथ अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे तंत्रिका संबंधी विकारों वाले रोगियों की मदद करेगी। वैज्ञानिक के अनुसार, परियोजना के पीछे हाशेम अल-ग़ैली ने कहा कि अनुसंधान की जांच और जांच संबंधित क्षेत्रों के कई विशेषज्ञों द्वारा की गई है। इसके अलावा, कंपनी चेहरे की मांसपेशियों के पूर्ण उपयोग के लिए चेहरे की विशेषताओं के पुनर्निर्माण के लिए सर्जिकल रोबोट और एआई का उपयोग करने की योजना बना रही है। इसके अलावा, कंपनी द्वारा कहा गया है कि यह प्रक्रिया विकसित ब्रेन सेल ड्राइग्रेशन को नियोजित करती है और निर्बाध अनुकूलता सुनिश्चित करती है। रीढ़ की हड्डी, नसों और रक्त वाहिकाओं के सटीक पुन-संयोजन की सुविधा के लिए पूरी प्रक्रिया वास्तविक समय आणविक-स्तर इमेजिंग और आई एल्गोरिदम के मार्गदर्शन द्वारा संचालित की जाती है। कंपनी का दावा है कि यह पहली प्रक्रिया है जो आठ साल के भीतर आयोजित की जाएगी। कंपनी लोगों को सर्जरी के बारे में पहले से बता रही है ताकि वे शीर्ष वैज्ञानिकों को इस परियोजना के लिए आकर्षित कर सकें।

इसके पहले डॉक्टर एक लड़के का सिर उसकी गर्दन से फिर से जोड़ चुके हैं अगर हम इसतरह के कुछ मामलों के अध्ययन के बारे में बात करते हैं, तब इजराइल में चौंकाने वाली घटना घटी जहां डॉक्टरों के एक समूह ने एक सफल सर्जरी की जिसमें उन्होंने एक लड़के के सिर को उसकी गर्दन से जोड़ दिया। जेरूसलम स्वास्थ्य केंद्र ने घोषणा की कि इजराइल में एक चौंकाने वाली घटना घटी जहां सर्जनों के एक समूह ने एक लड़के के सिर को उसकी गर्दन से प्रभावी ढंग से जोड़ने के लिए एक असामान्य और जटिल ऑपरेशन किया। साइकिल चलाते समय एक कार की चपेट में आने से 12 वर्षीय बच्चे का आंतरिक सिर धड़ से अलग हो गया था। वहीं 2016 में, यूरोपीय न्यूरोसर्जिकल सोसाइटी ने इस प्रक्रिया को अनैतिक करार दिया था, फिर भी, ब्रेनब्रिज का दावा है कि यह प्रक्रिया उन मरीजों को नया जीवन दे सकती है जो लकवा या रीढ़ की हड्डी की चोटों से पीड़ित हैं। ब्रेनब्रिज के अनुसार, इस तरह के प्रत्यारोपण लकवा और रीढ़ की हड्डी की चोट जैसे जीवन बदलने वाली स्थितियों वाले मरीजों को पूरी तरह से कार्यात्मक शरीर पाने का अवसर प्रदान कर सकते हैं।

भारत की तरह बिट्रेन में भी होते है चुनाव... लेकिन चारों देशों के नागरिक करते हैं मतदान

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समय के पहले चुनाव का ऐलान किया है। वैसे कंजरवेटिव सरकार का कार्यकाल 17 दिसंबर 2024 में खत्म हो रहा था और जनवरी 2025 में चुनाव होने थे लेकिन अब 06 महीने पहले 4 जुलाई में चुनाव कराए जा रहे हैं। कंजरवेटिव की सरकार 14 सालों से ब्रिटेन में सत्ता में है, हालांकि तमाम सर्वेक्षण बता रहे हैं कि अबकी बार उनकी हालत नाज़ुक है। लेबर पार्टी को बढ़त है। ब्रिटेन का चुनाव आमतौर पर भारत के चुनावों की तरह ही होता है।

ब्रिटेन की संसद के दो सदन हैं लेकिन इसके तीन भाग होते हैं। संप्रभु , हाउस ऑफ लॉर्ड्स और हाउस ऑफ कामंस है। कानून बनाने के लिए एक साथ काम करने वाले इन तीन भागों को किंग-इन-पार्लियामेंट कहा जाता है। हाउस ऑफ कामंस संसद का निर्वाचित निचला सदन है, जिसमें 650 सीटों के लिए हर पांच साल पर चुनाव होता हैं। संवैधानिक परंपरा के अनुसार , प्रधानमंत्री सहित सभी सरकारी मंत्री हाउस ऑफ कामंस या हाउस ऑफ लॉर्ड्स (हालांकि ये कम होता है) के सदस्य रहते हैं। अधिकांश कैबिनेट मंत्री कामंस से होते हैं, जबकि जूनियर मंत्री किसी भी सदन से हो सकते हैं। हाउस ऑफ लॉर्ड्स संसद का ऊपरी सदन है। इसमें दो प्रकार के सदस्य होते हैं, सबसे अधिक संख्या में लॉर्ड्स टेम्पोरल हैं, जिसमें मुख्य रूप से प्रधानमंत्री की सलाह पर संप्रभु द्वारा नियुक्त आजीवन सदस्य शामिल हैं, इसमें वंशानुगत राजपरिवार से जुड़े 92 सदस्य होते हैं। इसमें चर्च ऑफ इंग्लैंड के 26 बिशप भी शामिल होते हैं। यूनाइटेड किंगडम की संसद दुनिया की सबसे पुरानी विधायिका है। दुनियाभर की संसद इससे प्रभावित रही हैं। इसकारण संसद की मां भी कहा जाता है।

भारत की तरह ब्रिटेन में भी चुनावों में कई पार्टियां शिरकत करती हैं। हालांकि 100 सालों के दौरान मुख्य मुकाबला कंजरवेटिव पार्टी और लेबर पार्टी में ही होता रहा है। लेकिन इसके अलावा भी सदन में कई पार्टियां हैं। जिनके पास एक से ज्यादा सीटें हैं। हालांकि मौजूदा सदन में लेबर और कंजरवेटिव के बाद तीसरी बड़ी पार्टी स्काटिश नेशनल पार्टी है, जिसके हाउस ऑफ कामंस में 43 सदस्य हैं। ब्रिटेन में दर्जन भर से ज्यादा छोटी बड़ी पार्टियां हैं। कुल मिलाकर 650 सीटों के लिए चुनाव होता हैं। जिस पार्टी के पास 326 सीटें होती हैं, वो दल बहुमत में होता है और सरकार बनाता है। भारत की तरह यहां भी वोटर एक वोट देता है और अपने निर्वाचन क्षेत्र में वोटिंग में हिस्सा लेता है। ब्रिटेन में चुनावों का मतलब है इंग्लैंड, वेल्स, स्काटलैंड और उत्तरी आयरलैंड के संगठन का चुनाव, क्योंकि ग्रेट ब्रिटेन इन चारों देशों का प्रतिनिधित्व करता है। इंग्लैंड में इस चुनाव के लिए 543 सीटें हैं, तब स्काटलैंड में 57, वेल्स में 32 और उत्तरी आयरलैंड में 18 सीटें निर्धारित है।

ब्रिटेन में वोट बैलेट बॉक्स में डाले जाते हैं। यहां ईवीएम का इस्तेमाल नहीं होता है, और ना ही भविष्य में ऐसा करने का कोई इरादा नजर आता है।

ब्रिटेन में मौजूदा चुनावों में करीब 05 करोड़ मतदाता हिस्सा लेने वाले हैं। चुनाव में वोटिंग सुबह 07 बजे शुरू होती है और रात में 10.00 बजे तक चलती है। इसके तुरंत बाद ही काउंटिंग का काम भी शुरू हो जाता है। बहुत सी जगहों के परिणाम रात में ही आ जाते हैं। यहां वोट देने के लिए 18 वर्ष का होना जरूरी है। वोट देने वाले को ब्रिटिश नागरिक या आयरलैंड का नागरिक होना चाहिए। यहां पर जेल में सजा काट रहे कैदियों और हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों को वोट देने का अधिकार नहीं होता।

संपादकीय

यात्रियों की चिंता

उत्तराखंड में केदारनाथ धाम के हेलीपैड पर जिस तरह से एक हेलीकॉप्टर को आपातकालीन ढंग से उतारा गया, उससे चार धाम यात्रा को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। हेलीकॉप्टर में पायलट सहित सात लोग सवार थे और बताया जा रहा है कि यान में तकनीकी खराबी आ गई थी। यह घटना एक संकेत है कि हम यात्रा के माध्यमों और संसाधनों का जरूरत से ज्यादा उपयोग करने लगे हैं। धार्मिकता के साथ पर्यटन और पर्यटन के साथ व्यावसायिकता जब जुड़ जाती है, तब इसी तरह की अति सामने आने लगती है। बताया जा रहा है कि हेलीकॉप्टर के पिछले मोटर में तकनीकी समस्या आ गई थी, अगर यह तकनीकी समस्या रखरखाव के अभाव या यान के जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल की वजह से सामने आई है, तो यह गंभीर मामला है। जांच चल रही है, तो सच भी सामने आना चाहिए और सबसे जरूरी है, सेवा में सुधार और लोगों को ऐसी सेवाओं की गुणवत्ता के प्रति आश्वस्त करना। बहरहाल, पायलट की तारीफ करनी चाहिए कि उसने संयम बरतते हुए हादसे को टाल दिया। देश ही नहीं, पूरी दुनिया में हिमालय की गोद में बसे चार धामों का विशेष महत्व है। यह यात्रा अक्षय तृतीया के दिन 10 मई को शुरू हो चुकी है और 15 नवंबर तक चलेगी। यहां यह बहुत दुखद बात है कि शुरुआती 12 दिन में 42 लोग यात्रा के दौरान अपनी जान गंवा चुके हैं। ज्यादातर लोगों को हार्ट अटैक की वजह से जान गंवानी पड़ी है। यह एक अलग चिंता का विषय है, जिस पर तीर्थयात्रियों के साथ ही सरकार को विचार करना चाहिए। क्या स्वास्थ्य के पैमाने पर खरे लोगों को ही चार धाम यात्रा में नहीं आने देना चाहिए? विशेष रूप से हृदय रोग की समस्या से ग्रस्त लोगों को ऐसी यात्रा से बचना चाहिए। पहले के समय में लोग ऐसी कठिन यात्रा से बचते थे, पर जैसे-जैसे यात्रा की सुविधाओं का विकास हुआ, वैसे-वैसे यात्रियों की संख्या बढ़ती चली गई। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ, इन चार जगहों की यात्रा अभी भी आसान नहीं है। जो लोग बिना तैयारी या अपने को पहाड़ों के अनुरूप ढाले बिना आते हैं, उन्हें बहुत परेशानी होती है। जो लोग शरीर से मजबूत या संघर्षशील होते हैं, वे तो मुश्किलों का सामना कर लेते हैं, पर जो कमजोर होते हैं, वे यहां आकर बीमार पड़ जाते हैं। पहाड़ों में सड़कों का विकास तो हुआ है, पर चिकित्सा सुविधा पर्याप्त नहीं है। चिकित्सा सुविधाओं पर सरकार को गौर करना चाहिए और यात्रियों को भी ऐसी सुविधाओं के प्रति सचेत रहते हुए आचरण करना चाहिए। ध्यान रहे, इस वर्ष देश-विदेश के 26 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया है। इसमें से बड़ी संख्या में लोग अप्रैल-मई के बीच और बाकी लोग अक्तूबर-नवंबर के बीच अपनी यात्रा पूरी करेंगे। आमतौर पर यात्रा के पहले सत्र में ही ज्यादा से ज्यादा लोग चार धाम के दर्शन कर लेना चाहते हैं, क्योंकि इस समय ज्यादा ठंड नहीं होती है और मैदानी इलाकों में चिलचिलाती धूप का प्रकोप रहता है। क्या चार धाम यात्रा और यात्रियों की संख्या पर अंकुश रहना चाहिए? वाकई संख्या सीमित करना जरूरी होता जा रहा है, लेकिन व्यावसायिकता का दबाव आड़े आता है। बड़ी संख्या में ऐसे छोटे व्यवसायी हैं, जो साल भर से इस यात्रा का इंतजार करते हैं। यात्रियों की ज्यादा संख्या का मतलब है, ज्यादा कमाई, पर अब समय आ गया है कि यात्रियों के जीवन की ज्यादा चिंता की जाए।

आज का राशिफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक

राष्ट्रीय हित में नहीं चीन से कारोबारी असंतुलन

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय चीन से आयात बढ़ने से कारोबार असंतुलन का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर वस्तुओं के चीन से आयात को नियंत्रित करने के मद्देनजर शुरू की गई ऑनलाइन निगरानी प्रणाली के बावजूद नवंबर, 2023 से मार्च, 2024 के 5 महीनों में चीन से लैपटॉप एवं टैबलेट सहित कंप्यूटरों की आवक 47.1 प्रतिशत बढ़ गई है। इस अवधि में भारत ने चीन से 27.36 करोड़ डॉलर मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक हार्डवेयर आयात किए हैं। यद्यपि इन उत्पादों के ताइवान और हांगकांग से भी आयात किए गए हैं, लेकिन उनकी तुलना में चीन से किए गए आयात का मूल्य कई गुना अधिक है। हाल ही में 17 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने उद्योग चैंबर सीआईआई के सालाना वार्षिक सम्मेलन में उद्योग जगत को संबोधित करते हुए कहा कि चीन के साथ कारोबार असंतुलन एक बड़ा मुद्दा है। यह पिछले 20 वर्षों में पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019-20 के बाद से चीन से होने वाले आयात में लगातार वृद्धि हुई है और आयात में 44 फीसदी का इजाफा हो चुका है जबकि चीन को होने वाला निर्यात तकरीबन स्थिर है। चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव के बावजूद वहां से आयात में हो रही लगातार वृद्धि पर पहली बार किसी केंद्रीय मंत्री ने भारतीय उद्योग जगत को भी आड़े हाथों लिया और सम्मेलन में उपस्थित भारत के उद्योग जगत के सैकड़ों प्रतिनिधियों की तरफ चीन से हुई घुसपैठ के मद्देनजर इशारा करते हुए उन्होंने पूछा कि, क्या आप उसके साथ कारोबार करेंगे जो आपके ड्राइंग रूम में घुस कर आपके घर को नुकसान पहुंचा रहा है। विदेशमंत्री एस. जयशंकर ने बहुत ही स्पष्ट तरीके से यह सीख दी कि उद्यमियों को राष्ट्रीय हितों से जुड़ी संवेदनाओं का ख्याल रखना होगा। उन्होंने कहा कि, हमें चीन के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को भी ध्यान में रखना होगा। जहां तक संभव हो भारत में बनायें, भारत में खरीदें। जो राष्ट्रीय हित में है वह लंबी अवधि में कारोबार के हित में भी होगा। उन्होंने कहा कि कारोबार की अपनी जरूरतें हैं लेकिन लंबी अवधि के लिए हमें घरेलू सोर्सिंग व उत्पादन को बढ़ावा देना होगा और इसी आधार पर हमें फैसला करना होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन से आयात 44.7 प्रतिशत बढ़कर 70.32 अरब डॉलर से 101.75 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में चीन को भारत का निर्यात 16.66 अरब डॉलर रहा। चीन बीते वित्त वर्ष 2023-24 में 118.41 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। चीन से आयात में वृद्धि के कारण चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़ गया है। चीन के साथ व्यापार घाटा 2018-19 में 53.57 अरब डॉलर था, वह बढ़ते हुए 2023-24 में 85.09 अरब डॉलर हो गया। विश्लेषण करें तो पाते हैं कि चीन से आयात में कमी नहीं आने के कई कारण हैं। भारत आवश्यक व रणनीतिक तौर पर बेहद जरूरी सेक्टर में भी चीन से आयातित उत्पादों पर काफी निर्भर है। यद्यपि चीन पर निर्भरता कम करने के जो रणनीतिक कदम उठाए गए, उनका अभी जमीनी तौर पर कोई विशेष असर नहीं दिखा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले एक दशक से स्वदेशी उत्पादों को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित करके चीन से आयात घटाने के प्रयास हुए हैं। वर्ष 2019 और 2020 में चीन से तनाव के कारण जैसे-जैसे चीन की भारत के प्रति आक्रामकता और विस्तारवादी नीति सामने आई, वैसे-वैसे स्थानीय उत्पादों के उपयोग की लहर देश भर में बढ़ती हुई दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बार-बार स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है। चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपये आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। ऐसे में हमें चीन से कारोबार असंतुलन को कम करने के लिए नए कारगर प्रयासों से देश को नया मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने और चीन के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से बाहर निकल रहे विदेशी निवेश को भारत की ओर मोड़ने के अधिक प्रयास करने होंगे। निश्चित रूप से चीन से व्यापार घाटा कम करने के लिए सरकार द्वारा और अधिक कारगर प्रयास करने होंगे। अब एक बार फिर से देश के करोड़ों लोगों को चीनी उत्पादों की जगह स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। इस बात को भी समझा जाना होगा कि चीन से व्यापारिक असंतुलन की गंभीर चुनौती के लिए सिर्फ सरकार ही जिम्मेदार नहीं है, चीन के साथ व्यापार असंतुलन के लिए सीधे तौर पर देश का उद्योग-कारोबार और देश की कंपनियां भी जिम्मेदार हैं। उन्होंने कलपुर्जे सहित संसाधनों के विभिन्न स्रोत और मध्यस्थ विकसित करने में अपनी प्रभावी भूमिका नहीं निभाई है। साथ ही देश की बड़ी कंपनियां शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में भी बहुत पीछे हैं। अब देश को वैश्विक प्राइज सीरीज में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने और रोजगार अवसरों में वृद्धि के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने के लिए अपने मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में तेजी लाने की जरूरत है। मैन्युफैक्चरिंग को हर हाल में बढ़ाया जाना चाहिए। मैन्युफैक्चरिंग होने वाले हमारे उत्पादों की गुणवत्ता का भी ध्यान रखे जाने की जरूरत है। हमें संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (यूएन डीईएसए) के आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रभाग द्वारा हाल ही में की गई इस टिप्पणी पर भी ध्यान देना होगा कि भारत का आर्थिक विकास प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है और यह कई पश्चिमी देशों की कंपनियों के लिए निवेश करने का एक वैकल्पिक गंतव्य बन गया है। इसी कारण चीन में विदेशी निवेश भी कम होता जा रहा है जहां वर्ष 2024-25 में चीन की विकास दर महज 4.8 फीसदी ही संभावित है वहीं भारत की विकास दर 6.9 प्रतिशत की ऊंचाई पर रह सकती है। साथ ही भारत 2027-28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तथा 2031 तक भारत के उपभोक्ता बाजार के दोगुना होने की संभावनाएं हैं। निश्चित रूप से अब विदेशी निवेशकों के लिए भारत एक आकर्षक स्थल बन सकता है। विश्व प्रसिद्ध कैपजेमिनी रिसर्च इंस्टिट्यूट की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका व यूरोप की कंपनियों के बड़े अधिकारी चीन पर अपनी निर्भरता कम करना चाहते हैं और वे गंभीरता से भारत में निवेश की योजना बना रहे हैं। ऐसे में हमें निवेश की इन संभावनाओं को धरातल पर उतारने के प्रयास करने होंगे। इससे भारत के मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही इससे भारत को आत्मनिर्भर बनने और चीन से आयात नियंत्रित करने में मदद मिलते हुए दिखाई दे सकेगी। लेखक अर्थशास्त्री हैं।

कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस के हिन्दू विरोध की उग्रता

(लेखक- ललित गर्ग)

लोकसभा चुनाव के दो चरण शेष रहे हैं, चुनाव प्रचार चरम पर है। सभी राजनीतिक दल अपनी बढ़त बनाने के लिये कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण करने का प्रयास करते हुए राष्ट्र की एकता-अखण्डता एवं बहुसंख्यक हिन्दू धर्म विरोधी स्वरों को बुलंद किये हुए है और अपनी मर्यादाओं को भूल रहे हैं। विशेषतः इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एवं बाहर से समर्थन देने की बात करने वाले दल ऐसा दूषित प्रचार कर रहे हैं, जिससे न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन हो रहा है बल्कि ऐसे दलों को राजनीतिक लाभ की बजाय नुकसान होने की संभावनाएं प्रबल हो रही है। इन चुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दल हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाते रहे हैं जो हर रोज सामने आ रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हिन्दू संतों को राजनीति में घसीटने की कोशिश की है। उन्होंने रामकृष्ण मठ, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ से जुड़े संतों पर निशाना साधते हुए कहा है कि ये लोग भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिये ओबीसी आरक्षण पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्णय पर कानून की धज्जियां उडाते हुए उंगली उठाई है। इस प्रकार कानून की अवमानना वह नेता ही खड़ी कर सकता है, जिसे एक खास वर्ग के वोट चाहिए। संतों को लेकर राजनीतिक टिप्पणी करना, निःसंदेह आपत्तिजनक है एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को अपने ही देश में सेकेंड क्लास सिटिज़न एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की इन दलों की सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलक रही है। सभी विपक्षी दलों ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, राजनीतिक दलों का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। लेकिन लगातार जीत की ओर बढ़ रहे भाजपा को हराने के लिये इन दलों को मुस्लिम वोटों का ही सहारा नजर आ रहा है, जिसके चलते ये हिन्दू विरोध को प्रचंड किये हुए। ममता बनर्जी ने अपने शासन में मुस्लिमों को खुश करने एवं उनके वोटों को अपने पक्ष में करने के लिये हिन्दू विरोध का कोई मौका नहीं छोड़ा है। ममता ने रामकृष्ण मठ, मिशन और भारत सेवाश्रम संघ पर झूठा एवं भ्रामक आरोप लगाया है कि ये हिन्दू संगठन भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं, जबकि इन संगठनों की ओर से एक बार भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान नहीं किया गया है। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में इस्लामिक संगठनों एवं चर्चों के द्वारा भाजपा के विरोध में किसी एक विशेष दल के पक्ष में मतदान करने के प्रकरण बार-बार सामने आये हैं। चुनावों को धार्मिक एवं साम्प्रदायिक रंग देने की इन विडम्बनापूर्ण स्थितियों पर आज तक ममता बनर्जी ने एक भी बयान नहीं दिया है। इसलिए भी कहा जा सकता हैं कि बिना किसी प्रमाण हिन्दू संतों पर निशाना साधने का अभिप्राय यही है कि ममता बनर्जी की निगाहें कहीं और है निशाना कहीं और है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा ममता बनर्जी पर संतों को धमकाने का आरोप निराधार नहीं है। क्योंकि एक संत कार्तिक महाराज ने मुख्यमंत्री ममता को कानूनी नोटिस भेज कर कहा है कि ममता बनर्जी के बयान निराधार, झूठे और अपमानजनक है। पश्चिम बंगाल ही नहीं, अन्य गैर-भाजपा सरकारों के प्रांतों में हिन्दुओं को प्रताड़ित करने के घटनाक्रम सामने आते रहे हैं। पश्चिम बंगाल में तो हिन्दुओं के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का उग्र और हिंसक प्रदर्शन होता रहा हैं। पिछले कुछ सालों से हमेशा यह देखा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता सत्ता पाकर भाजपा समर्थकों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं। वर्ष 2021 में भी तृणमूल कांग्रेस के जीतने के बाद राज्य में बवाल हुआ था और पंचायत चुनाव जीतने के बाद भी उसके कार्यकर्ताओं ने हिंसक उत्पात मचाया था। उस समय भाजपा कार्यकर्ताओं के घरों को खोज-खोजकर हमले हुए थे। ऐसे स्थिति में और ऐसे कार्यकर्ताओं के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हिन्दू संगठनों एवं धर्मगुरुओं के भाजपा के पक्ष में होने का बयान संतों के लिए जान तक का खतरा पैदा कर सकता है। ऐसा हुआ भी है, ममता बनर्जी के बयान के बाद कुछ हमलावर जलपाईगुड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन के आश्रम में घुस गए। उन्होंने भिक्षुओं पर हमला किया, सीसीटीवी आदि तोड़े दिए। याद हो कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में पहली बार संतों पर दोष लगाकर उनके खिलाफ माहौल बनाने का काम नहीं हुआ।

मुस्लिम वोटों को आकर्षित करने के लिये इंडिया गठबंधन के दल विशेषतः कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस अल्पसंख्यकों को भी सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं। अल्पसंख्यकों में सिख, पारसी, यहूदी, जैनी, बौद्ध आदि धर्म आते हैं, लेकिन कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ मुस्लिम परस्ती करते आई है। ओबीसी आरक्षण पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने जिस तरह से कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्णय पर उंगली उठाई है, उससे तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए संविधान की जितनी अवमानना की जा सकती है, वह की जाती रहेगी। सामनेवाले को घेरने के लिए उसी संविधान की आड़ भी ली जाएगी। ममता ने मुस्लिमों को ओबीसी सर्टिफिकेट देकर उन्हें तरह-तरह से लाभ पहुंचाने का षड़यंत्र किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी रैलियों में इंडी गठबंधन के सत्ता में आते ही एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को मुस्लिमों को देने की बात कह रहे हैं, वह भी इस घटना से साफ होता नजर आ रहा है। धर्म के आधार पर आरक्षण भारतीय संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों के खिलाफ है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 मई को पश्चिम बंगाल में 2010 के बाद जारी ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द करने का आदेश दिया है। जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती और राजशेखर की बेंच ने कहा कि 2011 से प्रशासन ने किसी नियम का पालन किए बगैर ओबीसी सर्टिफिकेट जारी कर दिए। इस तरह से ओबीसी सर्टिफिकेट देना असंवैधानिक है। यह सर्टिफिकेट पिछड़ा वर्ग आयोग की कोई भी सलाह माने बगैर जारी किए गए। इसलिए इन सभी सर्टिफिकेट को कैंसिल कर दिया गया है। हालांकि यह आदेश उन लोगों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें पहले नौकरी मिल चुकी या मिलने वाली है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम 1993 के आधार पर ओबीसी की नई सूची पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग तैयार करेगी।

विचार मंथन

कितना जरुरी है जलवायु संकट का निदान

लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान

मानव जीवन के लिए जिस प्रकार से पंच तत्वों का उचित संयोजन आवश्यक होता है, ठीक उसी प्रकार से पृथ्वी के अस्तित्व के लिए तीन प्रमुख कारकों के संयोजन की महति आवश्यकता होती है। हमारे पृथ्वी ग्रह पर जीवन तीन कारकों के संयोजन से ही अस्तित्व में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है सूर्य से हमारी पृथ्वी की निश्चित दूरी, इसके बाद हमारे वायुमंडल की रासायनिक संरचना और अंत में जल चक्र की सुनिश्चित उपस्थिति आती है। इन तीन कारकों में से किसी भी एक कारक के न रहने या अधिकाधिक होने पर पृथ्वी पर मौजूद जीवन खतरे में पड़ सकता है। दरअसल ये तीनों कारक मिलकर हमारे ग्रह में एक ऐसी जलवायु के होने को सुनिश्चित करते हैं जो जीवन को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। इसके लिए वैज्ञानिक व शोध कर्ताओं की मानें तो हमारी पृथ्वी पर ऐसी जलवायु होनी चाहिए जो प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण जीवन को बनाए रखने में उपयुक्त साबित हो। सामान्यतः देखा जाता है कि जब सूर्य की किरणें पृथ्वी की सतह पर आती हैं, तो उनका अवशोषण महज आंशिक होता है, जबकि अधिकांश किरणें तो बाहर की ओर ही परावर्तित हो जाती हैं। ऐसे में यदि वायुमंडल उपस्थित न हो तो वो अंतरिक्ष में बिखर जाएंगी। ये किरणें बिखरने की बजाय, वायुमंडल में मौजूद गैसों में फंस कर वापस पृथ्वी की ओर आती हैं। इनके प्रभाव के कारण ही इन्हें ग्रीनहाउस गैंसें कहा गया है। यह एकत्रित ऊष्मा सीधे सूर्य की किरणों से अवशोषित ऊष्मा में मिलती हैं। यहां यह बतलाना आवश्यक हो जाता है कि प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के बिना, ग्रह पर औसत तापमान जो वर्तमान में करीब 15एसें के वर्तमान औसत के बजाय -18एसें के आसपास हो जाएगा। यह किसी के भी जीवन को नष्ट करने के लिए काफी होगा। इसलिए लंबे समय से विश्व के लिए जलवायु परिवर्तन संकट चिंता का विषय बना हुआ है। सवाल यह है कि आखिर जलवायु परिवर्तन पृथ्वी में मानव जीवन के लिए चिंता का विषय क्यों बना हुआ है? ऐसा क्या कारण है जो हमारे जीवन के जोखिमों को बढ़ाने का काम कर रहा है और इसके निदान के लिए हमें प्रतिबद्ध करता है? यहां विचारणीय यह भी है कि जलवायु परिवर्तन कोई आज की घटना तो है नहीं, बल्कि पृथ्वी के अस्तित्व के इतिहास के साथ ही जलवायु परिवर्तन मौजूद नजर आता है। फिर आज इसे लेकर चिंता क्यों जताई जा रही है? असल में पिछले डेढ़ सौ साल में ग्लोबल वार्मिंग ने अपनी उपस्थिति जिस स्तर पर दर्ज कराई है, वह असामान्य घटना है। इसके लिए प्रकृति दोषी नहीं है, बल्कि यह तो मानव गतिविधियों का परिणाम है, जिसे लेकर दुनियां में हाय-तौबा की स्थिति निर्मित हुई है। विशेषज्ञों ने इसे ही मानवजनित ग्रीनहाउस प्रभाव करार दिया है, जो कि प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के अतिरिक्त है। इसके लिए औद्योगिक क्रांति को प्रमुख कारण माना जा सकता है, जिस कारण वायुमंडल में लाखों मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को छोड़ा जा रहा है। एक शोध के अनुसार मानव जनित ग्रीनहाउस गैसों के कारण वायुमंडल में मौजूद सीओ2 की मात्रा पिछले 700 हजार वर्षों के न्यूनतम स्तर (410-415 भाग प्रति) की तुलना में दोगुनी हो गई है। एक तरफ औद्योगिक क्रांति तो दूसरी तरफ आधुनिक मानव जीवन शैली में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों ने भी इसमें इजाफा ही किया है। इसके अलावा जीवाश्म ईंधन जलाने और वर्षावनों को बहुतायत में नष्ट किए जाने जैसी मानवीय भूलों से जलवायु और पृथ्वी के तापमान पर प्रभाव बुरी तरह पड़ा है। इससे ग्रीनहाउस प्रभाव और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इसमें बढ़ोत्तरी करने के लिए कोयला, तेल और गैस की खपत को प्रमुख माना गया है, दरअसल ये ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रतिनिधित्व करने वाले कारकों में शामिल हैं। इसलिए बराबर सलाह दी जाती रही है कि वर्षा वनों की कटाई को रोका जाए और उनके क्षेत्रफल को बढ़ाया जाए। जिन संसाधनों में कोयला, लकड़ी, तेल और गैस का उपयोग ज्यादा होता हो, उन्हें नियंतत्रित किया जाए, ताकि जलवायु संकट को समय रहते रोका जा सके।

पृथ्वी को जलवायु संकट से बचाना उतना ही जरुरी है जितना कि खुद के जीवन को बचाना। मानव जीवन के फलसफे को मशहूर शायर पंडित ब्रज नारायण चकबस्त ने महज एक शेर में समझाते हुए कहा, ज़िन्दिगी क्या है अनासिर में ज़ुहूर-ए-तरतीब, मौत क्या है इन्हीं अज्ज़ा का परीशां होना। अर्थात जीवन पांच तत्वों का सिलसिलेबार मिलन है, जबकि मृत्यु इन तत्वों के बिखर जाने का नाम है। बात साफ है कि जिन तत्वों से जीवन है, उन्हें सहेजना और उनकी मौजूदगी को उनकी प्रकृति अनुसार बनाए रखना भी हम मानव जाति की ही जिम्मेदारी है। इसके लिए जरुरी हो जाता है कि पृथ्वी को सीमेंट और कंक्रीट के जंगलों में तब्दील करने की बजाय प्रकृति प्रदत्त हरियाली से आच्छादित करें। अधिक से अधिक पेड़ लगाएं और जिससे ऊष्मा विसर्जित होती हो उन साधनों का कम से कम उपयोग करें।

उद्योग और कल कारखाने जरुरी हैं, लेकिन इतने भी नहीं कि हम खुद अपनी धरती के लिए मौत का फरमान लिख दें। हमारी जीवन शैली भौतिक सुखों से परिपूर्ण हो, इसमें कोई गुरेज नहीं, लेकिन इतनी भी न हो कि हम खुद अपनी आने वाली पीढ़ी के लिए मुसीबतें खड़ी कर दें। अंततः यह वक्त चिंता जाहिर करने और समाधान तलाशने से आगे बढ़कर पृथ्वी को बचाने की खातिर बहुत कुछ करने का है।

मधुमक्खियों के अनजाने राज

20 मई को दुनिया भर में विश्व मधुमक्खी दिवस मनाया जाता है। विश्व में पहली बार 20 मई 2018 को मधुमक्खी दिवस मनाया गया था और तब से हर साल मनाया जा रहा है।

एंटोन जानसा जिन्हें मधुमक्खी पालन में सबसे अग्रणी माना जाता है, उनके जन्म की याद में यह दिन मनाया जाता है। ज्ञात हो कि संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्यों ने दिसंबर 2017 में, 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस के रूप में घोषित करने के स्लोवेनिया के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। स्लोवेनियाई परंपरा में मधुमक्खी पालन एक ऐसी चीज है जो गहराई से निहित है और यह मधुमक्खी पालकों के मामले में अग्रणी यूरोपीय देशों में से एक है।

एक तरह से यह समझा जा सकता हैं कि विश्व मधुमक्खी दिवस मनाने का उद्देश्य उनके पारिस्थितिकी तंत्र में मधुमक्खियों और अन्य परागणकों के सतत विकास में उनके योगदान और उनके संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। एक रिसर्च के अनुसार यह भी माना जाता रहा है कि मधुमक्खी चार तक गिनती जानती है।

भारत में मधुमक्खियों की 4 जातियां पाई जाती हैं, 1.एपिस सेरना इंडिका, 2.एपिस फ्लोरिया 3.एपिस डॉर्सट्टा, 4.एपिस ट्रैगोना। इसमें से सिर्फ एपिस सेरना ही एक ऐसी मधुमक्खी हैं, जिसे पाला जा सकता है तथा बाकी जाति की मधुमक्खियां पेड़ों के खोखलों, गुफा में सामान्यत: रहती हैं।

वैज्ञानिकों की मानें तो मधुमक्खियां 'हीटर' या गर्मी पैदा करने वाली छत्ते को गर्म करने का काम करती हैं। वे जटिल सामाजिक संरचना को काबू में रखने का कार्य भी करती हैं तथा उनका उत्तराधिकारी और वयस्क होने पर कौन मधुमक्खी क्या काम करेगी यह भी निर्धारित करती हैं। मधुमक्खियां जिस स्थान पर अपने अंडे देती हैं, इस जगह पर उनके बच्चे जिन्हें पुपे कहा जाता है, वे उस वक्त तक मोम की कोशिकाओं में लिपटे होते हैं जब तक कि वे बड़े ना हो जाएं। मधुमक्खियों से मिलने वाला शहद इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर काम करता है, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ह्रदय तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए लाभदायक है। इसे एक आयुर्वेदिक औषधि के रूप में जाना जाता है। इसमें ग्लूकोज, सुक्रोज और माल्टोज, विटामिन -6 बी, विटामिन सी, एमिनो एसिड, कार्बोहाइड्रेट मुख्य रूप से पाया जाता है। यह सर्दी-जुकाम में आराम तथा गले की खराश दूर करने के भी काम आता है। सबसे घातक घरेलू मक्खी होती है। इसके शरीर पर 10 लाख से भी ज्यादा कीटाणु मौजूद रहते हैं। यह भोजन को संक्रमित कर सकती है जिसकी वजह से उल्टियां या दस्त भी लग सकते हैं। अत: भोजन को हमेशा ढंक कर रखना चाहिए।

महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का कहना था कि यदि पृथ्वी से मधुमक्खियां गायब हो जाएं तो इस दुनिया से 4 साल में मानव जाति का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। हमें इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि हमारी मानवीय गतिविधियां, बढ़ता प्रदूषण, औद्योगिकरण पेड़-पौधों पर कीटनाशकों का छिड़काव आदि के दुष्प्रभावों से दुनिया भर में जो मधुमक्खियों की संख्या कम होती जा रही है, उससे हमें आगामी समय में मानव जीवन को लेकर बड़े खतरों का सामना करना पड़ सकता है। दुनिया भर की कृषि भूमि परागण पर निर्भर करती हैं। अत: हमें सिर्फ मानव का ही नहीं बल्कि सभी पशु-पक्षियों के अस्तित्व के बारे में जागरूक रहना चाहिए तथा लोगों को मधुमक्खियों के महत्व को समझाना और उनके संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने का कार्य करना चाहिए।

सदियों से हमारे बीच हैं हिममानव

पुराण, रामायण और महाभारत में उसके होने का उल्लेख मिलता है। हिमालय एक ऐसी जगह है जहां प्राचीनकाल से ऋषि मुनि तपस्या करते रहे हैं तो निश्चित ही वे उसे जानते ही होंगे। यह भी हो सकता है हजारों वर्षों से जीवित वे तपस्याधारी ही वह हो। एक तरफ उसे सदियों से भारत में हिममानव, नेपाल में यति, अमेरिका में बिगफुट, ब्राजील में मपिंगुरे, ऑस्ट्रेलिया में योवेई, इंडोनेशिया में साजारंग गीगी जैसे नामों से पुकारा जाता है, और दूसरी तरफ उसके अस्तित्व पर ही प्रश्न चिह्न लगाया जाता है। जी हां, हम बात कर रहे हैं बर्फीले पहाड़ों पर देखे और पहचाने गए विशालकाय वानर शरीर वाले हिममानव की।

यति आम बात है

इसी तरह यति या हिममानव और मानव की मुलाकातों के कई किस्से हिमालय पर्वतों के अनुभवी बूढ़े सुनाया करते हैं। भूटान में कुछ बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनके लिए हिममानव कोई आश्चर्य की बात नहीं है। उनके मुताबिक, उनके जमाने में हिममानव दिखना सामान्य बात थी। 77 साल के सोनम दोरजी का कहना है कि यति का इतिहास सदियों पुराना है और वे आज भी मौजूद हैं।

यति मानव

ऋग्वेद के दो परिच्छेदों में बतलाया गया है कि यदि का संबंध भृगुओं से है। अर्थात वे भृगु कुल से संबंध रखते हैं। पुराणों अनुसार यह एक प्राचीन कुल का नाम है। यजुर्वेद की संहिता अनुसार यति नाम की एक मानव जाती है। यति का उल्लेख भृगु के साथ सामवेद में भी मिलता है।

भोजपुरी और अवधी भाषा में हनुमानजी को जति कहा जाता है जो कि यति का ही बिगड़ा रूप जान पड़ता है।

रामायण से जुड़ी कहानी अनुसार नेपाल में यति को राक्षस भी कहा जाता है। कुछ गंथों के मुताबिक कुछ नेपाली और हिमालय की तराई के इलाकों में राम और सीता के बारे में प्रचलित लोक कविताओं और गीतों में भी कई जगह यति का उल्लेख किया गया है। यति का अर्थ संयम, नियंत्रण और मार्गदर्शन होता है। माना जाता है कि यह हमेशा घने जंगलों और पहाड़ों में रहता है। जितने लोगों ने भी इसे देखा है वह इसे सामान्य आदमी से लंबा, पूरा शरीर बालों से भरा हुआ, ताकतवर और अजीब सी गंध लिए, बड़े पैर और चीखने वाला बताते हैं। येति या हिममानव बंदर की तरह एक प्राणी होता है।

पहली बार चर्चा में

हिममानव या यति का सबसे पहला उल्लेख एक पर्वतारोही बीएच.होजसन ने किया था। अपने हिमालय अभियान के अनुभवों में उन्होंने लिखा था कि 1832 में उत्तरी नेपाल के पहाड़ी इलाके में उनके गाइड ने लंबे बालों वाले एक विशालकाय प्राणी को देखने की बात कही। होजसन ने साफ लिखा है कि उन्होंने कुछ नहीं देखा, लेकिन इस घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने अनजान प्राणी को यति नाम दिया। इसके बाद यति के देखे जाने और पदचिह्नों की पहचान किए जाने का लंबा इतिहास रहा है। कई पर्वतारोहियों ने अपनी किताबों में इसका उल्लेख किया है।

हिमालय क्षेत्र ही नहीं, दुनिया के बाकी हिस्सों से भी ऐसी खबरें आती रहीं। हालांकि कोई भी अपनी बात साबित करने के लिए पुख्ता सबूत नहीं दे सका है।

कैसा है हिममानव : 925 में पेशेवर फोटोग्राफर तथा रायल जिओग्राफिकल सोसायटी के सदस्य एमए.टोमबाजी ने लिखा कि उन्होंने जेमू ग्लेशियर (कंगचनजंघा पर्वत माला) के पास 15,000 फुट की ऊँचाई पर बालों से ढ़का एक विशालकाय प्राणी देखा है। टोमबाजी ने स्पष्ट रूप लिखा है कि उन्होंने उसे लगभग 200 मीटर दूरी से देखा। वे एक मिनट तक उसे निहारते रहे। उसकी शारीरिक बनावट पूरी तरह से इंसानी थी, लेकिन शरीर पर बहुत अधिक मात्रा में बाल थे। उसके तन पर कपड़े जैसी कोई चीज नहीं थी।

दिसंबर 2007 में अमेरिका के एक टीवी शो प्रस्तुतकर्ता जोशुआ गेट्स और उनकी टीम ने भी यति के स्पष्ट पदचिह्न देखने का दावा किया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक पदचिह्न की लंबाई 33 सेमी.थी।

बालों की जाँच

19 मार्च 1954 को अंग्रेजी अखबार 'डेली मेल' में एक लेख प्रकाशित हुआ, जिसमें इस मसले पर वैज्ञानिक नजरिए से प्रकाश डाला गया था। असल में वहाँ के प्रोफेसर फ्रेडरिक वुड जोन्स ने यति के बालों के माइक्रोफोटोग्राफ का परीक्षण किया था। उनकी तुलना भालू और दूसरे पहाड़ी जानवरों के बालों से की गई, लेकिन इस निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सका कि आखिर ये बाल किसके हैं। बहरहाल यह तो तय है कि आज तकनीक जितनी भी विकसित हो जाए पर प्रकृति के कुछ रहस्यों से पर्दा उठना अभी बाकी है। अभी तक दर्जनों लोगों ने यति देखने के दावे किए हैं, लेकिन कोई भी पुख्ता सबूत पेश नहीं कर पाया है और विज्ञान ऐसे किसी सबूत के बिना यति के अस्तित्व पर मुहर नहीं लगा सकता है। इसको लेकर वैज्ञानिकों में भी मतभेद है। कुछ कह रहे हैं कि प्रमाण इतने नहीं हैं कि यति का होना घोषित कर दिया जाए। फिर भी विज्ञान के जानकारों का एक वर्ग ऐसा है, जो कह रहा है कि कुछ तो है।

अमेरिका के पोकाटेलो में इदाहो विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जेफ मेलड्रम का कहना है कि मैंने इस संबंध में मौजूदा सभी वैज्ञानिक प्रमाणों का अध्ययन किया है और इस नतीजे पर पहुँचा हूँ कि इस सृष्टि में कोई प्राणी ऐसा जरूर है, जिसकी पहचान होना बाकी है। अबूझ पहेली बनी सृष्टि की इस रचना पर कई किताबें लिखी गई हैं, वीडियो तथा फिल्में बनाई जा चुकी हैं। इसे आमतौर पर एक घृणित शोमैन के रूप में दिखाया गया है। 'द एबोमिनेबल शोमैन', 'डाक्टर हू', 'बग्स बनी कार्टून', 'देट्स शो घोस्ट', 'द माइटी बुश', 'काल आफ ए यति' जैसे टीवी शो में यति को एक शैतान के रूप दिखाया गया है। बालीवुड फिल्म 'अजूबा कुदरत का' में भी यति को दिखाया गया है। यह ऐसी लड़की की कहानी है, जो यति को दिल दे बैठती है। विदेशों में भी कई फिल्में बन चुकी हैं। इनके अस्तित्व को लेकर जारी बहस के बीच वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी हकीकत का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। जुटाए गए सबूतों की फोरेंसिक जाँच की जा रही है। इस बीच जाने-अनजाने यह अनजान 'प्रजाति' आज मशहूर हो गई है। इन्हें किताबों, फिल्मों, बच्चों की कामिक्स में तो स्थान मिल ही गया है, इस पर वीडियो गेम्स भी बनाए जा रहे हैं।

आज भी हिमालय में रहते हैं हिममानव!

हिमालय श्रृंखला के पहाड़ आज भी रहस्यमय हैं। इतिहासकार, पुरातत्ववादी और अन्य क्षेत्र के अनेक शोधार्थी ऐसा कहते हैं कि इस स्थान पर ऐसे रहस्य है जो मानव सभ्यता के पूरे कालखंड पर प्रभाव डाल सकते हैं। यहां ऐसे जीवों का भी निवास है जिन्हें आज तक किसी ने नहीं देखा। इसे कुछ लोग हिममानव भी कहते हैं। उनमें से एक है - येती।

ऐसा माना जाता है कि येती एक बड़े वानर जैसा होता है। इसका रंग श्वेत होता है और इसके पूरे शरीर पर बाल होते हैं। यह हिमालय की गुफाओं में रहता है और मानव की तरह ही दो पैरों पर चलता है। कई बार लोग इसे पोलर बेयर की प्रजाति का ही मानते हैं पर इसके पैरों के निशान अलग कहानी कहते हैं। एक और मतानुसार हिममानव का इतिहास कई हजार वर्ष पुराना है। ऐसा माना जाता है कि मानव की एक कॉलोनी इन बर्फीले पहाड़ों में रहा करती थी जिन्हें येती कहा जाता था।

कब-कब मिले प्रमाण

इसको देखे जाने के बारे में अनेक कहानियां प्रचलित है। लद्दाख के बौद्ध मठों के साथ-साथ नेपाल , भूटान और तिब्बत में भी लोगों ने ऐसे दावे किए हैं कि उन्होंने एक विशाल वानर (येती) की आकृति देखी है।

सबसे पहला प्रमाण 1832 में मिला था। एक पर्वतारोही बी एच होजशन ने बंगाल की एशियाटिक सोसायटी में एक आलेख लिखा था। इस आलेख में उन्होंने बताया था की ट्रैकिंग के दौरान उनके गाइड ने एक प्राणी देखा था उसके शरीर पर लम्बे बाल थे और वह दो पैरों पर चल रहा था। हालांकि होजशन ने इसे स्वयं नहीं देखा था। पर गाइड द्वारा किए गए वर्णन को उन्होंने प्रस्तुत किया था।

येती के अस्तित्व का प्रामाणिक दावा 1951 में फोटोग्राफर और खोजी एरिक शिपटन ने किया। वह माउंट एवेरेस्ट पर जाने के दूसरे रास्ते की तलाश में आगे बढ़ रहे थे, इसी दौरान उन्हें बर्फ पर बड़े पैरों के निशान मिले। उन्होंने यह खोज मेन लोंग ग्लेशियर पर की थी और यह पदचिह्न 13 इंच लम्बे थे।

वर्ष 1959 में एक खोजी ब्रायन बर्ने ने भी येती के पदचिह्न देखने का दावा किया। येती के बारे में अनेक स्थानीय,पर्वतारोही और खोजी भी ऐसे दावे करते आ रहे हैं।

29 अप्रैल 2019 में भारतीय सेना ने ट्वीट के माध्यम से जानकारी दी थी कि भारतीय सेना की पर्वतारोहण टीम ने मकालू बेस कैंप के पास 9 अप्रैल 2019 को रहस्यमयी 'येती' के 32*15 इंच के पदचिह्न देखे थे। इसके पहले मात्र मकालू बरुन राष्ट्रीय उद्यान में ही येती के प्रमाण पाए गए थे। सेना ने उन पदचिह्नों के चित्र भी ट्विटर पर साझा किए थे।

आज भी पृथ्वी पर ऐसी अनेक चीजें है जो छुपी हुई है। पेरू,अंटार्टिका ,हिमालय इत्यादि ऐसे स्थान है जहां ऐसे अनेक साक्ष्य मिलने की उम्मीदें खोजी लगाते रहते हैं। पर जो नियति में लिखा है वह समय के साथ प्रस्तुत हो ही जाता है। मानव का अहंकार है कि वह सर्वज्ञानी है पर प्रकृति माता उसके अहंकार को तोड़ने के लिए अनेक ऐसे प्रमाण प्रदान करती रहती है।

मृत सागर में क्यों नहीं डूब सकते हम

मृत सागर एक नमक की झील है जो इजराइल के पश्चिम और जॉर्डन के पूर्व में, इन दोनों देशों के बीच स्थित है। यह पूरे विश्व में प्रसिद्ध है क्योंकि यहां आप समुद्र में डूब नहीं सकते। इस अद्भुत और अनोखे रोमांच का आनंद लेने यहां दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। यह एक रोचक बात ही है कि जिस स्थान का नाम मृत सागर हो वहां हम डूब नहीं सकते।

हम मृत सागर में क्यों नहीं डूब सकते?

इस झील में नमक और अन्य धातुओं की मात्रा दूसरे सागरों या झीलों की अपेक्षा अधिक है। इस कारण यहां का पानी भारी है अर्थात यहां के पानी का घनत्व ज्यादा है। इससे पानी में उत्प्लावक बल बढ़ जाता है और वह डूबने नहीं देता।

पर्यटकों की मनपसंद जगह

हर वर्ष यहां हजारों पर्यटक आते हैं। यहां पानी में धातु और लवण की मात्रा ज्यादा होने के कारण यह त्वचा के लिए अच्छा होता है इसीलिए पर्यटक इसमें स्नान करने आते हैं। अधिक घनत्व होने के कारण पानी में चलना भी कठिन हो जाता है। पानी आपको ऊपर की ओर फेंकता है। इसमें पर्यटक ऐसे लेट जाते हैं जैसे अपने पलंग पर लेटे हो क्योंकि उन्हें डूबने का डर नहीं होता। यहां एक और सावधानी रखी जाती है कि इसका पानी आंखों में ना जाने पाए। आंखों के लिए इसका पानी हानिकारक है। कई पर्यटक यहां प्रकृति का आनंद लेने तो कई इस झील में जाकर पुस्तक पढ़ने के लिए आते हैं।

इसे विज्ञान के प्रयोग से समझिए

बचपन में स्कूलों में एक विज्ञान का प्रयोग करवाया जाता है। उसमें एक बर्तन में सामान्य पानी भरकर एक अंडा डाल दिया जाता है। अंडा सीधे बर्तन की तलाई में जा कर बैठ जाता है। अब एक दूसरे बर्तन में पानी भरकर उसमें अच्छी मात्रा में नमक घोल दिया जाता है और जब इसमें अंडा डाला जाता है तो वही अंडा जो तलाई में बैठ गया था इस नमकीन पानी में ऊपर उठ जाता है। पानी में ज्यादा नमक डालने पर यह सतह पर तैरने लगता है। यह पूरा खेल उत्प्लावक बल का ही है।

क्या होता है उत्प्लावक बल

उत्प्लावक बल को अंग्रेजी में Buoyant Force कहा जाता है। जब किसी वस्तु को किसी तरल द्रव्य में डाला जाता है तो वह द्रव्य उस वस्तु बल को ऊपर की ओर धकेलता है। इसी बल को उत्प्लावक बल कहते हैं। उदाहरण के लिए जब आप पानी में कूदते हैं तो पानी आपको पुन: सतह की ओर धकेल देता है, यह उत्प्लावक बल ही होता है।

20 मई के दिन भारत ने फतह किया था हिमालय

20 मई हर भारतीय विशेषकर पर्वतारोहियों के लिए गर्व का दिन रहता है। इस दिन 1965 में कर्नल अवतार सिंह चीमा हिमालय की चोटी पर चढ़ने वाले पहले भारतीय बने थे। इस फतह से भारत उस समय चौथा देश बना था जो एवेरेस्ट पर चढ़ सके थे। एवेरेस्ट पर चढ़ने के लक्ष्य से निकली भारतीय सेना के दो प्रयास विफल हो गए थे। पर यह भारतीय सेना थी जो कभी हार न मानने के लिए पहचानी जाती है। कर्नल चीमा अपने 10 साथियों के साथ फिर हिमालय फतह करने निकल पड़े और 20 मई 1965 को आखिरकार भारत का झंडा हिमालय पर लहराने लगा। उस समय अवतार सिंह चीमा सेना में पैराशूट रेजिमेंट में कैप्टन के पद पर थे। उन्हें बाद में भारतीय सेना में पदोन्नति कर के कर्नल के पद से सम्मानित किया गया और भारत सरकार द्वारा भी उन्हें अर्जुन अवार्ड और पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इस प्रसंग से यह ज्ञात होता है कि जब आप दृढ़संकल्पित हो और आपकी इच्छाशक्ति प्रबल हो तो आप कितने भी बड़े पर्वत को छोटा करने की शक्ति रखते हैं।

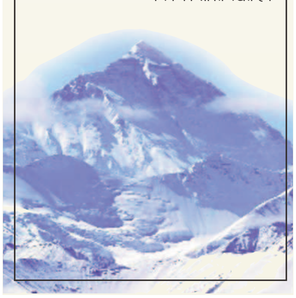

आरबीआई ने हीरो फिनकॉर्प पर लगाया 3.1 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि उसने निष्पक्ष व्यवहार संहिता से संबंधित कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए हीरो फिनकॉर्प` लिमिटेड पर 3.1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने हालांकि ने कहा कि जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और यह कंपनी के अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता को प्रभावित नहीं करता है। कंपनी का वैधानिक निरीक्षण आरबीआई ने 31 मार्च, 2023 को किया था। आरबीआई के निर्देशों और उस संबंध में पत्राचार के गैर-अनुपालन के बाद कंपनी को एक नोटिस जारी किया गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा कि नोटिस के बाद कंपनी के जवाब पर विचार करने और व्यक्तिगत सुनवाई के आधार पर आरबीआई ने पाया कि कंपनी के खिलाफ आरोप कायम थे और ऐसे में मौद्रिक जुर्माना लगाना जरूरी था। दरअसल हीरो फिनकॉर्प ने कर्ज लेने वालों को उनके द्वारा समझी जाने वाली स्थानीय भाषा में ऋण के नियम और शर्तों के बारे में लिखित रूप में नहीं बताया था।

यूसीबी लघु वित्त बैंकों में परिवर्तित किए जाने की इच्छुक नहीं

नई दिल्ली । शहरी सहकारी बैंक (यूसीबी) अपने को लघु वित्त बैंकों (एसएफबी)में परिवर्तित किए जाने के इच्छुक नहीं हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड के एक सदस्य ने बताया कि यूसीबी को एसएफबी में परिवर्तित होने की स्थिति में अपने संचालन में बदलाव करना पड़ेगा। इसलिए एक को छोड़कर किसी भी यूसीबी ने बदलाव के लिए आवेदन नहीं किया है। आरबीआई ने 2018 में एसएफबी में बदलाव के लिए वैकल्पिक दिशानिर्देश जारी किए थे। इन दिशानिर्देशों के मुताबिक यूसीबी के पास अनिवार्य रूप से न्यूनतम 50 करोड़ रुपये की पूंजी होने की स्थिति में निजी क्षेत्र के एसएफबी की तरह सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। आवेदन करने के लिए उनके पास अनिवार्य रूप से पूंजी जोखिम (भारांश) परिसंपत्ति अनुपात 9 फीसदी या अधिक होना चाहिए। यूसीबी को इस योजना की आवश्यकताओं को 18 महीने में पूरा करना होगा। इसके अलावा यूसीबी को निजी क्षेत्र के एसएफबी के ऑन टैप लाइसेंसिंग के नवीनतम दिशानिर्देशों को पूरा करना होगा। इसके अतंर्गत एसएफबी को कारोबार शुरू करने की तारीख पर न्यूनतम 100 करोड़ रुपये की न्यूनतम हैसियत बनाए रखनी होगी।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक बनेगा यूनिवर्सल बैंक

- यूनिवर्सल बैंक में बदलने की समयसीमा पर बोर्ड फैसला करेगा

नई दिल्ली । उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने को यूनिवर्सल बैंक में बदलने की पात्रता प्राप्त कर ली है। बैंक ने पिछले सप्ताहांत में वित्त वर्ष 24 के नतीजे जारी करने के बाद कहा कि इस वित्त वर्ष में यूनिवर्सल बैंक में बदलने की समयसीमा पर बोर्ड फैसला करेगा। बेंगलूरु मुख्यालय वाले उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि हम सभी आंकड़ों के आधार पर योग्य हैं लेकिन हम इसके लिए आनन-फानन में कोई कदम नहीं उठाएंगे। हमने अभी रिवर्स मर्जर पूरा किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में यूनिर्सल बैंक में बदलने के लिए मानदंड घोषित किए हैं। इस घोषणा ने लघु वित्त बैंक को वैकल्पिक रूप से यूनिवर्सल बैंक में बदलाव का रास्ता पेश किया है। नियामक के मुताबिक दो वर्षों तक लगातार सकल और शुद्ध एनपीए का अनुपात क्रमशः 3 प्रतिशत और 1 प्रतिशत से कम होना योग्यता का मानदंड है। मार्च 2024 में उज्जीवन एसएफबी का सकल और शुद्ध एनपीए का अनुपात क्रमश 2.1 प्रतिशत और 0.3 प्रतिशत था। यह अनुपात मार्च 2023 में क्रमश 2.6 प्रतिशत और 0.4 प्रतिशत था। उन्होंने कहा कि तथ्य यह है कि हम योग्य हैं लेकिन हमें सावधानीपूर्वक आकलन करने की जरूरत है। बोर्ड इस वित्त वर्ष में यूनिवर्सल बैंक में बदलाव के लिए समयसीमा तय करेगा। डेविस बैंक से सेवानिवृत्ति की मांग कर चुके हैं और उन्हें इसकी अनुमति मिल चुकी है। अब 1 जुलाई, 2024 से प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्याधिकारी का दायित्व संजीव नौटियाल संभालेंगे।

सेबी ने शेयर मूल्य आंकड़े साझा करने के दिशानिर्देश जारी किए

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों के वास्तविक समय के मूल्य आंकड़े को विभिन्न मंचों सहित तीसरे पक्ष के साथ साझा करने के लिए मानदंड जारी किए। सेबी ने कुछ ऑनलाइन गेमिंग मंच, ऐप, वेबसाइट पर वर्चुअल लेनदेन सेवाएं या फंतासी गेम के बारे में यह पाया था कि ये सूचीबद्ध कंपनियों के वास्तविक समय के शेयर मूल्यों के उतार-चढ़ाव पर आधारित हैं। सेबी ने कहा कि कुछ मंचों पर असल में वर्चुअल शेयर पोर्टफोलियो के प्रदर्शन के आधार पर मौद्रिक प्रोत्साहन भी दिए जा रहे हैं। इसी आकलन के आधार पर सेबी ने मानदंड जारी किए हैं। सेबी ने कहा कि वास्तविक समय मूल्य आंकड़े के दुरुपयोग या अनधिकृत उपयोग को रोकने के लिए कुछ खास नियम लागू होते हैं। बाजार नियामक के मुताबिक शेयर बाजारों और पंजीकृत बाजार मध्यस्थों सहित बाजार ढांचागत संस्थानों (एमआईआई) को यह सुनिश्चित करना होगा कि वास्तविक समय मूल्य डेटा किसी तीसरे पक्ष के साथ साझा नहीं किया जाए, जब तक कि प्रतिभूति बाजार के उचित कामकाज या नियामक अनुपालन के लिए यह जरूरी न हो। एमआईआई या मध्यस्थों को उस

कंपनी के साथ समझौता करना होगा जिसके साथ वे वास्तविक समय मूल्य डेटा साझा करते हैं। इन समझौतों में डेटा का उपयोग करने की गतिविधियों और कारणों को निर्दिष्ट किया जाना चाहिए। संस्थाओं और गतिविधियों की सूची की समीक्षा साल में कम से कम एक बार की जानी चाहिए।

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर की कारें भारत में बनेंगी। जगुआर लैंड रोवर की फ्लैगशिप कारें रेंज रोवर और रेंज रोवर स्पोर्ट्स कंपनी की स्थापना के बाद पहली बार इंग्लैंड के बाहर किसी देश में बनने जा रही हैं। अब तक इनका निर्माण सिर्फ इंग्लैंड के सोलीहुल में होता था। भारत इन कारों की कंप्लीटली नॉक्ड डाउन यूनिट्स का निर्माण करने वाला पहला देश बनेगा। इसके तहत कंपनियां अन्य जगहों से लूज पॉर्ट्स इंपोर्ट करके मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में असेंबलिंग और प्रोडक्शन करती हैं। ऐसे में कारों की कीमत में भारी गिरावट दिख सकती है। जगुआर लैंड रोवर के सीनियर कार्यकारी अधिकारियों ने बताया, इन कारों की कीमत अभी के मुकाबले 18 से 22 प्रतिशत की कमी आएगी। पुणे में जगुआर लैंड रोवर प्लांट में पहले से रेंज रोवर वेलार, इवोक, जगुआर एफ-पेस और डिस्कवरी स्पोर्ट बन रही हैं। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत में कारों की खुदरा बिक्री 81 प्रतिशत बढ़ने के बाद दो और कारें बनाने का फैसला किया है।

लॉन्च से पहले लीक हुईं एमजी अस्टार की तस्वीरें

नई दिल्ली । बेहतरीन कारें बनाने वाली कंपनी एमजी मोटर्स बहुत जल्द अस्टार का फेसलिफट वर्जन लेकर आ रही है। एमजी अस्टार फेसलिफट की शुरुआती कीमत 10 लाख रुपये एक्स-शोरूम के आस-पास होगी।लॉन्च से पहले ही इस गाड़ी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हो गई हैं, जिससे इसके डिजाइन से लेकर फीचर्स तक की जानकारी सामने आई है। इस गाड़ी में फ्रंट से लेकर रियर तक में कई बदलाव किए गए हैं, जिससे यह काफी फ्रेश लग रही है। इसमें नए और पतले एलईडी डीआरएल और लाइट्स दी गई हैं। इसके नया ग्रिल और बड़े एयर डैम दिए गए हैं। इसके फ्रंट में कैमरा भी दिया गया है। गाड़ी के फ्रंट में नीले रंग के इंसर्ट्स भी दिया गया है, जिससे यह अंदाजा मिल रहा है कि इसे हाइब्रिड तकनीक के साथ भी ऑफर किया जा सकता है।एमजी अस्टार फेसलिफट में ऑल ब्लैक थीम के साथ नए डिजाइन वाला डैशबोर्ड, ट्विन डिस्प्ले सेटअप वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, स्टेयरिंग व्हील पर मीडिया कंट्रोल के साथ ही क्रूज कंट्रोल को दिया गया है। इसमें सबसे बड़ा बदलाव इसके सेंटर कंसोल में किया गया है, जिसके साथ छोटा गियर लीवर और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक दिए गए हैं। साथ ही इसमें वायरलेस चार्जर भी दिया गया है। इसके अलावा रियर में नई डिजाइन की एलईडी लाइट्स के साथ ही बंपर पर सिल्वर गार्निश, रियर वाइपर और वॉशर, एक्सटेंडेड रूफ स्पॉयलर, हाई-माउंट स्टॉप लैंप और शॉर्क फिन एंटीना को दिया गया है और साइड प्रोफाइल में ब्लैक पिलर, और ब्लैक ओआरवीएम, ड्यूल टोन में अलॉय व्हील्स मिलते हैं।

कम सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड

मुंबई ।

एशियाई बाजारों के कमजोर रुझानों और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में उतार -चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। सेंसेक्स 75 हजार के पार पहुंच गया वहीं निफ्टी ने 22,993.60 का नया रिकॉर्ड बनाया और यह 23,000 के स्तर को तोड़ने के काफी करीब पहुंच गया था। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में कम सत्रों में कारोबार हुआ। सोमवार को लोकसभा चुनाव को लेकर मुंबई में मतदान की वजह से शेयर बाजार बंद रहा। शेयर बाजारों के चार` दिनों के कारोबार पर नजर डालें तो घरेलू सूचकांकों में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट आई। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 218.11 अंक गिरकर 73,787.83 पर खुला और 52.63 अंकों की गिरावट के साथ 73,953.31 के स्तर पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 97.45 अंक फिसलकर 22,404.55 पर खुला और 27.05 अंक चढ़कर 22,529.05 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में बढ़त से मिले सकारात्मक संकेतों के बाद भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुले। सेंसेक्स 74.26 अंकों की बढ़त के साथ 74,027.57 पर खुला और 267.75 अंक मजबूत होकर 74,221.06 पर बंद हुआ। निफ्टी 15.61 अंक चढ़कर 22,544.65 पर खुला और 68.75 अंक चढ़कर 22,597.80 पर बंद हुआ। गुरुवार के कारोबारी सत्र के दौरान शेयर बाजार में शुरुआती सुस्ती बावजूद जबरदस्त उछाल आया। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स 1100 अंकों की शानदार बढ़ोतरी के साथ

75,407.39 पर खुला और 1,196.98 अंकों की बढ़त के साथ 75,418.04 पर बंद हुआ। निफ्टी करीब 350 अंकों की तेजी के साथ 22,959.70 पर खुला और 354.66 अंकों की उछाल के साथ पहली बार 22,967.65 पर बंद हुआ।

हफ्ते के आखिरी कारोबारी घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। इस दौरान निफ्टी पहली बार 23000 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा।

सेंसेक्स 124.89 अंकों की बढ़त के साथ 75,542.93 पर खुला और 7 अंक की गिरावट के साथ 75,542.93 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 33.85 अंक मजबूत होकर 23,001.50 के स्तर पर खुला और 10 अंक फिसलकर 23,026.40 अंक पर बंद हुआ।

बिड़ला समूह भी 100 बिलियन डॉलर क्लब में हुआ शामिल

- शेयर बाजार में आदित्य बिड़ला समूह की अभी 11 कंपनियां लिस्टेड हैं

मुंबई ।

आदित्य बिड़ला समूह का नाम भारत के उन बडे कारपोरेट घरानों में शो मिल हो गया है जिसमें पहले से टाटा, अंबानी और अडानी जैसे नाम पहले से शो मिल हैं।

बिड़ला समूह की विभिन्न लिस्टेड कंपनियों के शेयरों ने हाल के दिनों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसका फायदा बिड़ला समूह को हुआ है और उसने शानदार मील का पत्थर हासिल कर लिया है। दरअसल समूह की कंपनियों के शेयरों के लगातार अच्छे प्रदर्शन से ग्रुप का ओवरऑल मार्केट कैप अब 100 बिलियन डॉलर के पार निकल गया है। पहले से 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा एमकैप वाले कारोबारी समूहों में मुकेश अंबानी के रिलायंस समूह, टाटा समूह, गौतम अडानी के अडानी समूह आदि का नाम शामिल है। अब बिड़ला समूह भी इसमें शामिल हो गया है।

शेयर बाजार पर आदित्य बिड़ला समूह की अभी 11 कंपनियां लिस्टेड हैं। उनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, आदित्य बिड़ला कैपिटल, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी, वोडाफोन आइडिया, आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल, टीसीएनएस क्लॉथिंग, आदित्य बिड़ला मनी, सेंचुरी टेक्सटाइल्स, सेंचुरी एन्का, पिलानी इन्वेस्टमेंट शामिल हैं। सभी 11 लिस्टेड कंपनियों का सम्मिलित मार्केट कैप अब 8.51 लाख करोड़ रुपए यानी 100 बिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है।

समूह की कंपनियों में सबसे ज्यादा मार्केट कैप अल्ट्राटेक सीमेंट का है। इसकी वैल्यू अभी 35.54 बिलियन डॉलर है। 19.63 बिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ ग्रासिम इंडस्ट्रीज दूसरे स्थान पर है। इसी तरह 18.20 बिलियन डॉलर के साथ हिंडाल्को तीसरे नंबर पर, 12.08 बिलियन डॉलर के साथ वोडाफोन आइडिया चौथे नंबर पर और 7.15 बिलियन डॉलर के साथ आदित्य बिड़ला कैपिटल पांचवें नंबर पर है।समूह की वैल्यू बढ़ाने में ग्रासिम का अहम योगदान रहा है। इसका मार्केट कैप बीते 3 साल में डबल हो गया है। आदित्य बिड़ला कैपिटल का एमकैप भी 3 साल में डबल हुआ है। सेंचुरी टेक्सटाइल का एमकैप साल भर में ट्रिपल हो गया है।

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल का मार्केट कैप साल भर में डेढ़ गुना हो गया है। वैल्यू के हिसाब से सबसे बड़ी कंपनी अल्ट्राटेक के मार्केट कैप में इस साल अब तक 2.6 फीसदी की गिरावट आई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। इसके बाद भी भारतीय बाजार में शे निवार को तेल की कीमतों में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपये लीटर से कम बनी हुई है। वहीं बिहार के इलाकों में ये 100 रुपये के पार हैं। देश की राजधानी दिल्ली में शनिवार को भी एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और एक लीटर डीजल का भाव 87.62 रुपये पर है। इसके साथ ही देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। इसके अलावा चेन्नई में पेट्रोल का भाव 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल का भाव 92.34 रुपये प्रति लीटर पर ही टिका हुआ है। वहीं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है।

एक महीने में 8 फीसदी सस्ता हो चुका कच्चा तेल

- चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम में हो सकती है कटौती

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में भले ही शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमत में करीब एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई हो लेकिन एक महीने में यही दाम लगभग 8 फीसदी तक कम हो चुके हैं। खाड़ी देशों का कच्चा तेल वैश्विक बाजार में करीब 8 फीसदी तक सस्ता हो चुका है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी क्रूड ऑयल के दाम करीब 7 फीसदी तक कम हो चुके हैं। जानकारों का कहना है कि मांग पर असर पड़ने से कच्चे तेल की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। वास्तव में अमेरिका में मजबूत इकोनॉमिक डाटा आने से अनुमान है कि फेड ब्याज दरों को लंबे समय रोक सकता है जिसकी वजह से डॉलर इंडेक्स में तेजी देखने को मिली है। जिसका असर कच्चे तेल की कीमत में देखने को मिलेगा। वहीं दूसरी ओर भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है। देश के चारों महानगरों में वो ही दाम लागू रहेंगे, जोकि 16 मार्च को थे। तब देश की ओएमसी ने पेट्रोल और डीजल की कीमत में 2 रुपए प्रति लीटर की कटौती की थी। जानकारों के अनुसार कच्चे तेल की कीमत में इसी तरह की गिरावट देखने को मिली तो चुनाव के बाद पेट्रोल और डीजल के दाम में कटौती देखने को मिल सकती है। वै श्विक बाजार में कच्चे तेल के दाम में शुक्रवार को तेजी देखने को मिली। खाड़ी देशों का तेल ब्रेंट क्रूड ऑयल 1 फीसदी की

तेजी के साथ 82.12 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। वैसे बीते एक महीने में ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत में 7.70 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। 26 अप्रैल के बाद से ब्रेंट क्रूड ऑयल 7 डॉलर प्रति बैरल सस्ता हो चुका है। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी कच्चे तेल के दाम यानी डब्ल्यूटीआई में 1.11 फीसदी की तेजी देखी गई और दाम 77.72 डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। करीब एक महीने में अमेरिकी तेल के दाम में करीब 7 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है। यानी कि डब्ल्यूटीआई में करीब 6 डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है।

पंजाब और हरियाणा में गेहूं खरीद पिछले साल से ज्यादा

नई दिल्ली ।

केंद्रीय पूल में गेहूं की खरीद पिछले साल से ज्यादा देखी जा रही है। पंजाब और हरियाणा में कुछ दिन पहले जोरदार खरीद के कारण इस सत्र में पहली बार पिछले साल से अधिक खरीदारी हुई है। 1 अप्रैल से 22 मई तक के आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्रीय पूल में 262.9 लाख टन गेहूं खरीदा गया है, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 261.6 लाख टन गेहूं खरीदा गया था। प्रमुख मंडियों में आवक कम होने के साथ ज्यादातर विशेषज्ञों का कहना है कि इस सीजन में कुल खरीद 270 से 290 लाख टन के बीच रह सकती है, जो पिछले साल के 261.9 लाख टन से मामूली अधिक होगी। यह वित्त वर्ष 2025 के लिए 300 से 320 लाख टन खरीद के लक्ष्य की तुलना में बहुत कम है। इसका यह भी मतलब है कि लगातार तीसरे साल केंद्रीय पूल में भारत की आधिकारिक गेहूं खरीद लक्ष्य से कम रहेगी, जिसका उपयोग गरीबों को अनाज देने के लिए किया जाता है। खरीद में गिरावट की प्राथमिक वजह यह है कि किसान अपना उत्पाद ज्यादा दाम पर निजी खरीदारों को बेचना पसंद कर रहे हैं। गेहूं का स्टॉक उम्मीद से कम रहने पर कीमत बढ़ने की स्थिति में

सरकार का हाथ बंधा रह सकता है और वह बाजार में प्रभावी तरीके से हस्तक्षेप नहीं कर पाएगी। इस साल गेहूं खरीद में गिरावट की बड़ी वजह मध्य प्रदेश से कम खरीद है। मध्य प्रदेश से 80 लाख टन खरीदने का लक्ष्य था, जबकि करीब 48 लाख टन खरीदा गया है, जो पिछले साल हुई खरीद का करीब 33 प्रतिशत है।

रिलायंस रिटेल से दूरसंचार उपकरण खरीदेगी जियो फाइनेंशियल की लीजिंग फर्म

- इस सौदे की कुल लागत करीब 36,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली जियो फाइनेंशियल सर्विसेज अपनी लीजिंग इकाई के जरिये रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) की रिटेल इकाई रिलायंस रिटेल से 36,000 करोड़ रुपये के दूरसंचार उपकरण और डिवाइस खरीदना चाहती है। इसके लिए वह शेयरधारकों से मंजूरी लेने पर विचार कर रही है। जियो लीजिंग सर्विसेज उपकरण पट्टे पर देने के कारोबार में उतरने की योजना बना रही है। यह जियो फाइनेंशियल के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। उपकरणों का उपयोग ब्रॉडबैंड वायरलेस कनेक्टिविटी और अन्य सेवाओं में किया जाएगा। जियो फाइनैंशियल ने शेयरधारकों को डाक मतपत्र नोटिस जारी किया है, जिसमें कहा गया है, जियो लीजिंग सर्विसेज डिवाइस-एज-ए-सर्विस मॉडल के तहत उपकरण पट्टे पर देने के कारोबार में उतर रही है। यह नई तरह का सेवा मॉडल है, जिसमें कंपनी या व्यक्ति कुछ वस्तुएं और उनसे जुड़ी सेवाएं पट्टे पर देते हैं, जिससे नए उपकरण नहीं खरीदने पड़ते। डिवाइस-एज-ए-सर्विस में उपकरण लगाने के साथ रखरखाव, मदद तथा कई बार अपडेट जैसी अतिरिक्त सेवाएं भी शामिल होती हैं। रिलायंस रिटेल आरआईएल की सहायक इकाई है। रिलायंस रिटेल के 100 फीसदी स्वामित्व वाली कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स में आरआईएल की 83.56 फीसदी हिस्सेदारी है। रिलायंस रिटेल डिवाइस और संबंधित उपकरण के कारोबार से जुड़ी है। जियो लीजिंग सर्विसेज रिलायंस रिटेल से ग्राहकों के परिसर में लगने वाले उपकरण और दूरसंचार उपकरण खरीदेगी। रिलायंस लीजिंग सर्विसेज रिलायंस जियो इन्फोकॉम के ग्राहकों को दूरसंचार उपरकण एवं अन्य उपकरण पट्टे पर देगी। यह सौदे में लागत के साथ मार्जिन भी रहेगा और यह लगातार चलता रहेगा। कंपनी ने शेयरधारकों से वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 के लिए इसकी मंजूरी मांगी है। इस सौदे की कुल लागत करीब 36,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। शेयरधारकों को भेजे गए नोटिस के अनुसार दोनों वित्त वर्षों में कितनी खरीद की जाएगी, यह सेवाओं की मांग और ब्रॉडबैंड वायरलेस उपकरण लगाने की रफ्तार पर निर्भर करेगा।

फ्लिपकार्ट में गूगल खरीदेगी अल्पांश हिस्सेदारी

- गूगल करेगी 35 करोड़ डॉलर का निवेश

नई दिल्ली ।

प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनी गूगल वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट में अल्पांश हिस्सेदारी खरीदने के लिए करीब 35 करोड़ डॉलर का निवेश करेगी।

गूगल का यह निवेश फ्लिपकार्ट द्वारा 2023 में शुरू की गई 1 अरब डॉलर जुटाने की पहल का हिस्सा है। फ्लिपकार्ट ने न तो गूगल द्वारा किए जा रहे निवेश की वास्तविक रकम का खुलासा किया है और न ही उसने कंपनी के मूल्यांकन के बारे में बताया है। उसने एक बयान में कहा` कि वॉलमार्ट के नेतृत्व में ताजा निवेश दौर के तहत फ्लिपकार्ट ने गूगल को अल्पांश निवेशक के तौर पर शामिल करने की घोषणा की जो दोनों पक्षों द्वारा नियामकीय एवं अन्य मंजूरियों पर निर्भर करेगा। सूत्रों के मुताबिक इस निवेश से बेंगलूरु की कंपनी का मूल्यांकन 33 अरब डॉलर के उसके पिछले मूल्यांकन से 5-10 फीसदी अधिक होने की संभावना है।

नया मूल्यांकन 36 अरब डॉलर को पार कर सकता है। दिसंबर 2022 में फिनटेक फर्म फोनपे के समूह से अलग होने के बाद फ्लिपकार्ट का मूल्यांकन 33 अरब डॉलर रह गया था। सूत्र बताते हैं कि गूगल ने यह सौदा इसलिए किया क्योंकि फ्लिपकार्ट ई-कॉमर्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है। कंपनी अपने बुनियादी ढांचे और विक्रेता सहायता तंत्र के साथ-साथ आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) और जेनरेटिव एआई जैसी नई प्रौद्योगिकी के विस्तार पर निवेश करने की योजना बना रही है। गूगल इस सौदे के तहत फ्लिपकार्ट को अपनी क्लाउड पेशकश उपलब्ध कराएगी। इससे कंपनी को अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

कंपनी के बयान में कहा गया है कि इससे देश भर में ग्राहकों को सेवाएं देने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे के को आधुनिक बनाने में भी मदद मिलेगी। वॉलमार्ट ने जुलाई 2020 में फ्लिपकार्ट में 1.2 अरब डॉलर के निवेश दौर का नेतृत्व किया था। उससे कंपनी का मूल्यांकन 24.9 अरब डॉलर हो गया था। मई 2018 में वॉलमार्ट ने घोषणा की थी कि वह 21 अरब डॉलर से कम मूल्यांकन पर फ्लिपकार्ट में करीब 77 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 16 अरब डॉलर का निवेश करेगी। अधिग्रहण के तहत फिनटेक फर्म फोनपे भी वॉलमार्ट के पास चली गई थी। उसके बाद वॉलमार्ट लगातार फ्लिपकार्ट और फोनपे के निवेश करती रही है।

चिदंबरम स्टेडियम में फाइनल मुकाबला होगा रोमांचक

–पिच का मिजाज देखकर दोनों ही टीमें रणनीति बनाने में जुटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल का फाइनल मुकाबला कोलकाता नाइटराइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रविवार को चेन्नई में होने जा रहा है। इस मुकाबले में पिच का रोल अहम होगा। पिच बल्लेबाजों को मदद करने वाली है या गेंदबाजों को।

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स और पैट कमिंस की अगुआई वाली सनराइजर्स हैदराबाद आईपीएल के फाइनल में आमने सामने हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में रविवार को खेले जाने वाले इस महामुकाबले को लेकर दोनों टीमें कमर कस चुकी हैं और पिच का मिजाज जानकर रणनीति बना रही हैं।

एमए चिदंबरम स्टेडियम की पिच पारंपरिक तौर पर गेंदबाजों को फायदा पहुंचाने वाली है, खासतौर पर स्पिनर्स को। इस स्पिन फ्रेंडली विकेट पर बल्लेबाजों के लिए मुश्किल होने वाली है। बल्लेबाज को बड़ी पारी खेलनी है तो उन्हें सेट होना पड़ेगा। एक बार सेट होने के बाद बल्लेबाज बढ़ी पारी खेल सकते हैं। इस पिच पर हमेशा से गेंदबाजों का बोलबोला रहा है। यहां दोनों ही टीमें पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करनी चाहेंगी। इस सीजन यहां 8 मैच खेले गए हैं जहां चेस करने वाली टीम पांच मैचों में विजयी रही है। फाइनल में भी इस पिच का रोल अहम रहने वाला है। चेपॉक में अभी तक 84 आईपीएल मैच खेले गए हैं। पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम यहां फायदे में रही है। उसे 49 मैचों में जीत मिली है जबकि चेस करने वाली टीमें 35 मुकाबलों में विजयी रही है।

इस सीजन में दोनों टीमें दो बार आमने-सामने आ चुकी हैं

कोलकाता नाइटराइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमें आईपील फाइनल में पहुंच चुकी हैं। इस सीजन में दोनों टीमें दो बार आमने-सामने आ चुकी हैं जहां दोनों ही बार केकेआर जीता है। आंकड़ों की मानें तो सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ केकेआर का पलड़ा भारी है। केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद अभी तक 27 बार मैदान में भिड़ चुके हैं। 18 मैचों में केकेआर ने बाजी मारी है तो वहीं हैदराबाद 9 मैचों में विजयी रहा है। केकेआर के खिलाफ हैदराबाद का हाई स्कोर 228 रन है जबकि हैदराबाद के खिलाफ केकेआर का बेस्ट स्कोर 208 रन रहा है। पैट कमिंस ने दिग्गज अनिल कुंबले के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। एक आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कप्तान के रुप में कमिंस दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। कमिंस ने इस सीजन 17 विकेट लिए हैं। कुंबले ने भी 2010 में आरसीबी की कप्तानी करते हुए 17 विकेट लिए थे। इस लिस्ट में 19 विकेट के साथ शेन वॉर्न टॉप पर हैं।

हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक के बाद बाएं हाथ के स्पिनरों शाहबाज अहमद और अभिषेक शर्मा के फिरकी के जादू से सनराइजर्स हैदराबाद ने दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराकर फाइनल में पहुंची है। हैदराबाद के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान टीम ध्रुव जुरेल (35 गेंद में नाबाद 56, सात चौके, दो छक्के) और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (42) की उम्दा पारियों के बाजवूद सात विकेट पर 139 रन ही बना सकी। सनराइजर्स की ओर से शाहबाज ने 23 रन देकर तीन जबकि अभिषेक ने 24 रन देकर दो विकेट चटकाए थे।

टीम

कोलकाता नाइट राइडर्स – श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नीतिश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंथा चमीरा, साकिब हुसैन, मुजीब उर रहमान, गट एटिकिंसन, अल्लाह गजांफर।

सनराइजर्स हैदराबाद- पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, हेनरिक क्लासेन , एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मार्कंडेय, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह, ग्लेन फिलिप्स , राहुल त्रिपाठी, वाशिंगटन सुंदर, उपेंद्र यादव, जे सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह, मयंक अग्रवाल।

पावो नूरमी खेल अगले माह, नीरज का मुकाबला मैक्स से होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक और विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब जून में फिनलैंड में होने वाले पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे। इसमें नीरज का मुकाबला 18 जून को जर्मनी के मैक्स डेह्निंग से रहेगा। इसका कारण है कि डेह्निंग ने हाल ही में 90 मीटर से अधिके भाला फेंका था। इसके अलावा इस प्रतियोगिता में जर्मनी के ही जूलियन वेबर से भी उन्हें चुनौती मिलेगी।

चोपड़ा नूरमी खेलों से पहले 10 मई को दोहा डायमंड लीग मीट में भी उतरेंगे। उन्होंने इससे पहले पावो नूरमी खेलों के 2022 सत्र में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। यह उनके करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ थ्रो रहा है। वहीं उन्होंने पिछले साल फिट नहीं होने के कारण इस स्पर्धा से अपना नाम वापस ले लिया था। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.94 मीटर है। पावो नूरमी विश्व एथलेटिक्स की ‘कॉन्टिनेंटल टूर गोल्ड सीरीज स्तर की प्रतियोगिता है। इसके साथ ही यह डायमंड लीग मीट सीरीज के बाहर सबसे प्रतिष्ठित एक दिवसीय प्रतियोगिताओं में से एक है।

चोपड़ा एक साल के ब्रेक के बाद पावो नूरमी खेलों में उतरने जा रहे हैं। यहां जहां उनका सामना बेहतरीन प्रतियोगियों के समूह से होगा। प्रतियोगिता 18 जून को तुर्कू में होगी। इन खेलों के आयोजकों ने कहा, ‘हमारा लक्ष्य पेरिस ओलंपिक से पहले गर्मियों की सबसे कठिन भाला फेंक प्रतियोगिता को आयोजित करना है। इसके लिए दूसरे खिलाड़ियों के साथ बातचीत जारी है। इस साल फरवरी में डेह्निंग ने जर्मन विंटर थ्रोइंग चैंपियनशिप में 90.20 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर एक अहम उपलब्धि हासिल की थी।

रसेल ने कहा, नरेन अपने फैसले पर फिर विचार करें

चेन्नई (एजेंसी)। सुनील नरेन आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के कारण एक बार फिर सबके आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। वेस्टइंडीइज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने कहा है कि सुनील नरेन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में संन्यास से वापसी नहीं करने के अपने फैसले पर फिर विचार करना चाहिये। रसेल का मानना है कि वह ऐसे खिलाड़ी है जिसकी कमी टीम को खल रही है। रसेल ने कहा कि नारायण संन्यास से वापसी कर टीम को जीत दिलाने में सहायता कर सकते हैं। नरेन ने साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय 2019 में खेला था। नारायण ने आईपीएल के इस सत्र में अपनी गेंद और बल्ले से कमाल के प्रदर्शन से 13 मैचों में 1 शतक और 3 अर्धशतक की मदद से 482 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 179.85 का रहा है। नारायण ने इसके साथ ही 22 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। उन्होंने बड़े स्कोर वाले इस आईपीएल सत्र में 7 से कम के इकॉनोमी रेट से रन खर्च किए हैं। रसेल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं सुनील के लिए बहुत खुश हूं। मुझे लगता है कि 500 रन के करीब पहुंचना कोई मजाक नहीं है। वह प्रमुख गेंदबाज होने के नाते जो 4 ओवर गेंदबाजी करते हैं और इस सत्र उनके नाम 16 विकेट भी हैं। नारायण के प्रदर्शन से केकेआर आईपीएल के फाइनल में पहुंचने में सफल रही है। इससे पहले टीम के कप्तान रोमेन पॉवेल ने भी नरेन से संन्यास से वापसी करने को कहा था पर उन्होंने इंकार कर दिया था।

गौतम गंभीर से ज्यादा भारतीय क्रिकेट की समझ किसे... हेड कोच बनने के लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच को लेकर रोज नए नाम सामने आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार टीम के नए कोच की दौड़ में केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर सबसे आगे हैं। हालांकि बीसीसीआई की ओर से इसपर अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा गया है। कुछ दिन पहले रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर के नाम भी सुर्खियों में आया था। लेकिन बीसीसीआई सचिव जय शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि बोर्ड ने किसी ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर्स से संपर्क नहीं किया है। जय शाह का कहना है कि वह टीम इंडिया की बागडोर उस शख्स के हाथ में देना चाहते हैं, जो कि भारतीय क्रिकेट की गहराई से समझ रखता हो और वह भारत की डोमेस्टिक क्रिकेट के बारे में भी जानता हो। अब सवाल ये उठता है कि राहुल द्रविड़ नहीं तब गौतम गंभीर में क्या कमी है? इसमें ज्यादा हमारे क्रिकेट स्ट्रक्चर को कौन समझ सकता है।

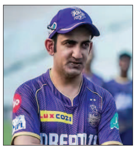

बीसीसीआई सचिव शाह के बयान से साफ हो गया है कि बोर्ड किसी भारतीय को ही टीम इंडिया का हेड कोच बनाना चाहता है। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल आगामी टी20 विश्व कप 2024 के बाद खत्म हो जाएगा। वह भारतीय टीम के साथ अपना करार आगे नहीं बढ़ाना चाहते। गंभीर इस समय केकेआर के मेंटर हैं। उनकी मेंटरशिप में केकेआर टीम आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंच चुकी है जहां रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद से खेलना है। इससे पहले गंभीर अपनी कप्तानी में केकेआर को दो बार चैंपियन बना चुके हैं। वह विश्व विजेता टीम का हिस्सा रह चुके हैं। हां इतना जरूर है कि उनके पास इंटरनेशनल स्टेज पर कोचिंग का अनुभव नहीं है लेकिन भारतीय क्रिकेट की वह समझ रखते हैं।

बात दें कि गंभीर यदि टीम इंडिया के कोच बनाए जाते हैं, तब इससे भारतीय टीम को फायदा ही होगा। उनके पास 147 वनडे, 58 टेस्ट और 37 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने का अनुभव है। वह 500 से ज्यादा घरेलू मैच खेल चुके हैं। गौती के साथ ये एक प्लस प्वॉइंट है। वह अलग अलग राज्यों से आने वाले युवा खिलाड़ियों को अच्छी तरह से जानते हैं।

बीसीसीआई ने 13 मई को नए हेड कोच के लिए आवेदन मांगे थे। आवेदन करने की आखिरी तारीख 27 मई है। बताया जा रहा है कि बोर्ड ने खुद गौतम गंभीर से कोच के लिए संपर्क किया था। हालांकि गंभीर की ओर से इसपर कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। गंभीर आईपीएल में लखनउ सुपर जॉयंट्स के भी कोच रह चुके हैं। उनकी देखरेख में एलएसजी 2022 और 2023 में प्लेऑफ में जगह बनाने में सफल रही थी।

गेंद और बल्ले में संतुलन लाने की जरुरत : गांगुली

मुम्बई। महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर के बाद अब भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी गेंदबाजों की कमजोर हालत पर चिन्ता जतायी है। गांगुली कहा है कि इस आईपीएल सत्र में जिस प्रकार का खेल देखने को मिला है। उससे साफ पता चलता है कि बल्लेबाज हावी हैं और उन्हें रोकना गेंदबाजों के लिए असंभव होता जा रहा है। गांगुली ने कहा कि इसका कारण सपाट पिच होने के साथ ही ‘इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर एक अतिरिक्त बल्लेबाज का नियम भी है। इसलिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को कोई ऐसा कोई तरीका खोजना होगा जिससे गेंद और बल्ले में संतुलन बनाया जा सके। गांगुली ने कहा कहा कि जिस प्रकार सभी टीमें आसानी से 200 रन से अधिक बना रही हैं। उससे साफ है कि गेंदबाजों का अब कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। गांगुली ने कहा कि गेंदबाजों के लिए इस प्रकार के हालात ठीक नहीं कहे जा सकते हैं। उनके खिलाफ हर जगह रन बनाए जा रहे हैं। इसलिए भविष्य में इस ओर ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि खेल में रोमांच के लिए बल्ले और गेंद के बीच संतुलन रहना चाहिए।

भारत और श्रीलंका के पास विश्वकप जीतने का अच्छा अवसर : दिलशान

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर तिलकरत्ने दिलशान ने भारतीय टीम को टी20 विश्वकप का प्रबल दावेदार बताया है। दिलशान के अनुसार वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्वकप कप को कोई एशियाई टीम ही जीत सकती है। उन्होंने कहा कि यहां स्पिनरों की सहायक पिचें रहेंगी। ऐसे में भारत के अलावा श्रीलंकाई टीम भी यहां जीत दर्ज कर सकती है क्योंकि उसके पास भी काफी अच्छे स्पिनर हैं। भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में युजवेंद्र चहल सहित 4 स्पिनरों को शामिल किया है। चहल के अलावा अनुभवी रवींद्र जड़ेजा और कुलदीप यादव भी टीम में शामिली हैं। वहीं अफगानिस्तान और श्रीलंका ने अपनी टीम में 4 स्पिनरों को रखा है। दिलशान ने कहा कि एशियाई टीमों के पास टी20 विश्व कप जीतने का सबसे अच्छा अवसर है क्योंकि कैरेबियाई हालात स्पिनरों के लिए अनुकूल होते हैं। भारतीय टीम अभी अच्छे फॉर्म में है जिसका लाभ भी उसे मिलेगा। इस कारण वह खिताब जीतने की प्रबल दावेदार है। हाल में हुए आईपीएल में उसके स्पिनरों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। मेरा मानना है कि भारतीय टीम अंतिम ग्याहर में 2 कलाई के स्पिनर और एक बाएं हाथ के स्पिनर को शामिल करेगी। देगी। दिलशान ने श्रीलंका टीम से भी उम्मीद जताई कि वह 2014 का अपना गौरवमयी इतिहास दोहराएगी।

टी20 विश्व कप 2024: परिस्थितियां अनुकूल हैं, पाकिस्तान पहुंचेगा फाइनल में : शाहिद अफरीदी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी शाहिद अफरीदी का मानना है कि बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम आगामी 2024 पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में जगह बना सकती है। वेस्टइंडीज और अमेरिका में मेगा इवेंट टीम के लिए फायदेमंद हो सकता है। पाकिस्तान ने एक बार साल 2009 में यूनिस खान के नेतृत्व में पुरुष टी20 विश्व कप जीता था। उनके पास शोपीस इवेंट के 2007 और 2022 संस्करणों में फाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड है। इसके अलावा 2010, 2012 और 2021 में वह अंतिम-चार चरण तक पहुंचे हैं।

बहरहाल, अफरीदी ने आईसीसी से कहा कि मुझे पता है कि वे फॉर्म में वापसी करेंगे। अगर हम तेज गेंदबाजी की बात करें तो हमारे पास अविश्वसनीय आक्रमण है। मुझे लगता है कि पाकिस्तान को फाइनल में जगह बनानी चाहिए। इसका कारण यह है कि परिस्थितियां (वेस्टइंडीज और अमेरिका में) हमारी टीम के अनुकूल हैं। अगर हम अपनी टीम के स्पिनरों को देखें, तो वे शानदार हैं। हो सकता है कि वे फॉर्म में न हों लेकिन मैं वह इस बात से भी उत्साहित हैं कि पाकिस्तान

की तेज गेंदबाजी लाइन-अप टी20 विश्व कप में क्या हासिल कर सकती है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी, नसीम शाह, हारिस रऊफ, अब्बास अफरीदी और मोहम्मद आमिर के साथ पाकिस्तान के तेज आक्रमण की अगुवाई करेंगे।

मुझे लगता है कि दुनिया की किसी भी क्रिकेट टीम में किसी के पास इतनी मजबूत गेंदबाजी लाइन-अप नहीं है। हमारे सभी 4 तेज गेंदबाजों के पास बहुत कौशल है और यहां तक ??कि अब्बास (अफरीदी) जैसे बेंच पर बैठे गेंदबाजों के पास भी बहुत कौशल है। अगर इतने अच्छे कौशल वाले खिलाड़ी इस विश्व कप में विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ उतरेंगे तो वे अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी नामों पर एक बड़ी जिम्मेदारी भी होगी। अफरीदी ने कहा कि जो चीज मुझे परेशान करती है वह हमारे बल्लेबाजों की स्ट्राइक रेट है, खासकर 7 से 13 ओवर के चरण के बीच। मुझे उम्मीद है कि उस चरण में स्ट्राइक रेट में सुधार होगा। लेकिन फिर भी पाकिस्तान मेरा पसंदीदा है।

अफरीदी ने कहा कि टीम में सभी खिलाड़ी महत्वपूर्ण हैं। बाबर (आजम), (मोहम्मद) रिजवान, फखर (जमान), शाहीन (अफरीदी), नसीम शाह, हारिस रऊफ, शादाब (खान)। ये सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विश्व कप में (पाकिस्तान के लिए) महत्वपूर्ण होंगे। लेकिन अगर मुझे किसी एक को चुनना हो, तो मैं कप्तान बाबर आज़म को चुनूंगा, क्योंकि वह नेता हैं। मैं चाहता हूं कि वह समय पर फैसले लें जिससे टीम को जीत मिलेगी।

जीत के हीरो अभिषेक ने कहा, मुझे नहीं पता था कि चार ओवर करूंगा

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद को राजस्थान रॉयल्स पर आईपीएल क्वालिफायर 2 में जीत दिलाने का एक श्रेय अभिषेक शर्मा को गया। अभिषेक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भले ही 12 ही रन बना सके थे, लेकिन उन्होंने जब गेंदबाजी की तब राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन और शिमरोन हेटमायर के बड़े विकेट लेकर बाजी को पलट दिया। अभिषेक ने 24 रन देकर 2 विकेट लीं। मैंच के बाद अभिषेक ने कहा कि ईमानदारी से कहूं, तब मुझे नहीं पता था कि यह ऐसा मैच होगा (जहां मैं सभी 4 ओवर फेंकूंगा), लेकिन मैं तैयार था। मैं अपनी गेंदबाजी पर काम कर रहा हूं। मैं पिछले 2 वर्षों में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं लेकिन यह मेरी गेंदबाजी थी जिस पर मुझे काम करना था और मैंने यह अपने पिता के साथ किया। जब हम बल्लेबाजी कर रहे थे, तब यह (पिच) तेज थी और दूसरी पारी में टर्न मिलने लगा, पैटी ने स्पिनरों का अच्छा इस्तेमाल किया। अभिषेक ने कहा कि अक्सर अभ्यास सत्र के दौरान भी कप्तान उन्हें गेंदबाजी करने के लिए कहते थे। हमने पंजाब के साथ जब सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी जीती तब मुझसे गति मिली थी। मैं इसके लिए तैयार था और कड़ी मेहनत की।

टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों को रोकने योर्कर फेंके गेंदबाज : ब्रेट ली

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली का मानना है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारूप में तेजी से रन बन रहे हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को रोकने के लिए गेंदबाजों को ज्यादा से ज्यादा यॉर्कर गेंदें फेंकनी चाहिये। साथ ही कहा कि इसी प्रकार से बल्लेबाजों पर अंकुश लगाया जा सकता है। इस पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि आईपीएल में भी बल्लेबाजों ने आसानी से 200 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पता चलता है कि वे कितने हावी हैं। ली ने एक कार्यक्रम में कहा कि खेल पर आजकल बल्लेबाज हावी हो रहे हैं पर उनका मानना है कि संतुलन लाने के लिए मुकाबले में गेंदबाजों के लिए कुछ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट में गेंदबाजों को अपने ऊपर अधिक गर्व न करते हुए ये मान लेना चाहिये कि विकेट लेने के क्रम में उनपर चौके और छक्के भी लग सकत हैं। साथ ही कहा कि यही टी20 क्रिकेट है। इसमें आपको चीजें पर नियंत्रण करना आना चाहिये। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजी अब पहले से बेहतर हो गयी है। इसलिए मैं चाहता हूं कि तेज गेंदबाज अधिक यॉर्कर गेंद का इस्तेमाल करें। आखिरी ओवरों में यॉर्कर का प्रभावी इस्तेमाल होना चाहिए। अगर आप आईपीएल को भी देखे तो यॉर्कर पर आम तौर पर एक ही रन बनता है। उन्होंने यॉर्कर के प्रभावी इस्तेमाल के लिए जसप्रीत बुमराह का जिक्र करते हुए कहा कि मैं बुमराह के अलावा आज के दौर में किसी अन्य गेंदबाजों को अधिक यॉर्कर डालते नहीं देखता हूं। ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में मिलाकर 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले ली ने कहा कि उन्हें टी20 मैच में चौके और छक्के देखना पसंद है पर यहां गेंदबाजों के लिए कुछ मदद होनी चाहिए। साथ ही कहा कि मैं घास वाली पिच की मांग नहीं कर रहा, जहां टीम 110 रन पर आउट हो जाए लेकिन 185 से 200 रन के आसपास का स्कोर अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि हम अब 260 और 270 रन से ज्यादा रन बनते देख रहे हैं। ऐसे में ज्यादातर गेंदबाज 4 ओवर में 40 से 50 से ज्यादा रन दे रहे हैं। अच्छी प्रतिस्पर्धा के लिए गेंदबाजों के लिए मदद होना चाहिए।

मैदान के बाहर मेरी कार्तिक से काफी अच्छी बातें हुई : विराट कोहली

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल मैच से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले दिनेश कार्तिक को भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने समझदार और ईमानदार व्यक्ति करार देते हुए कहा कि इस अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज ने 2022 सत्र में उनका मनोबल बढ़ाया था, जब वह फॉर्म हासिल करने में जूझ रहे थे। कोहली ने आरसीबी द्वारा पोस्ट किये वीडियो में कहा, ‘मैदान के बाहर मेरी उनसे काफी अच्छी और दिलचस्प बातें हुई हैं। वह बहुत समझदार व्यक्ति हैं और उन्हें सिर्फ क्रिकेट नहीं बल्कि काफी चीजों की अच्छी जानकारी भी है। लगभग 11 मिनट के इस वीडियो में कार्तिक पत्नी दीपिका पल्लीकल कार्तिक, उनके व्यक्तिगत मेंटोर अभिषेक नायर, आरसीबी के सहायक कोच मालोलान रंगराजन और फिटनेस कोच शंकर बासु के विदाई संदेश हैं। कोहली ने 2022 सत्र को याद किया जिसमें उन्होंने 16 मैच में महज 22.73 के औसत से 341 रन बनाए थे, तब दूसरे क्वालीफायर में आरसीबी राजस्थान रॉयल्स से हारकर फाइनल में जगह बनाने से चूक गयी थी।

कोहली ने कहा, ‘मैंने हमेशा उनके साथ बातचीत का आनंद लिया है। 2022 में भी उस चरण में जब मेरा आईपीएल सत्र इतना अच्छा नहीं रहा था तो मेरा आत्मविश्वास भी डगमगाया हुआ था। उन्होंने कहा, ‘वह दो तीन दफा मेरे साथ बातचीत के लिए बैठे और ईमानदारी से मुझे बताया कि उन्हें चीजें कैसी दिख रही हैं क्योंकि शायद मैं खुद इन चीजों को अच्छी तरह नहीं देख पा रहा था। आईपीएल के अनुभवी कार्तिक शुरूआती 2008 आईपीएल से सभी चरण में खेले हैं, उन्होंने छह फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 257 मैच में 22 अर्धशतक से 4,842 रन बनाए। कोहली ने कहा, ‘मुझे उसकी ईमानदारी और साहस बहुत पसंद हैं, वह जो महसूस करता है, इसके बारे में किसी से भी बात कर सकता है। मुझे लगता है कि दिनेश की यह चीज मेरे लिए काफी विशेष है। मुझे उनके बारे में यह चीज बहुत पसंद हैं इसलिये हमारा आपस में तालमेल काफी बढ़िया है।

उन्होंने कहा कि कार्तिक तकनीकी रूप से काफी सही खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि वह तकनीक के मामले में कितने सही खिलाड़ी हैं और वह किसी भी भूमिका में ढल सकते हैं। मुझे 2013 सत्र याद है जिसमें उन्होंने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए करीब 600 रन बनाए थे। कोहली ने कहा, ‘मैंने उन्हें ऐसे शॉट खेलते देख जो ‘बेहतरीन थे। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनायें देता हूं। साथ ही

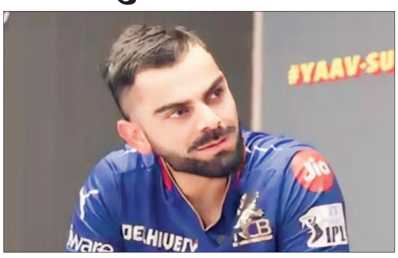

उन्होंने उम्मीद जतायी कि कार्तिक किसी न किसी तरह आरसीबी फ्रेंचाइजी से जुड़े रहेंगे। बता दें कि कार्तिक ने अपना अंतिम आईपीएल मैच खेला जिसमें आरसीबी प्लेऑफ में राजस्थान रॉयल्स से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

माही की सादगी के दीवाने हुए लोग... दिल खोलकर कर रहे तारीफ

नई दिल्ली । चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने फिर फैंस का दिल जीता है। धोनी को इकोनॉमी क्लास में सफर करता देख लोग उनकी तारीफ कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में माही फ्लाइट के अंदर इकोनॉमी क्लास में सफर करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं वह अपना सामान भी खुद ही रख रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में धोनी को देखकर लोग काफी खुश नजर आ रहे हैं। लोगों ने माही की तालियों की गड़गड़ाहट से वेलकम किया। लोग अलग अलग कॉमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा ओह माही! ओह माही! मिसिंग। दूसरे यूजर ने लिखा, मैन ऑफ सिम्पलिसिटी। धोनी शनिवार को रांची में मतदान किया। वह वोट डालने के लिए पूरे परिवार के साथ जेवीएम श्यामली में बने मतदान केंद्र पर पहुंचे। धोनी के साथ पत्नी साक्षी भी थीं। दोपहर 12 बजे के बाद धोनी अपने पैरेंट्स और वाइफ के साथ मतदान केंद्र पर पहुंचे। मतदान केंद्र पर धोनी को देखकर लोगों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। धोनी का जलवा अगले साल भी आईपीएल 2025 में दिखाई दे सकता है। हालांकि अभी तक उन्होंने अपने आईपीएल करियर को लेकर कोई फैसला नहीं लिया है।

सूरत शहर के पूना क्षेत्र के दोनों लोक सेवा केंद्रों पर आने वाले आवेदकों के लिए जिला प्रशासन की ओर से उचित व्यवस्था की जा रही है

सूरत ।

जैसे ही 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित हुए, आवेदकों की भीड़ को संभालने के लिए सूरत शहर के पुणे कार्यालय के जनसेवा केंद्र-1 (ओल्ड जोन कार्यालय, मिनीबाजार) में एक जनसेवा केंद्र चालू कर दिया गया। विभिन्न प्रकार के नमूने. जिसमें पुणे मामलतदार कार्यालय द्वारा पुनागम तलाटी कार्यालय में अस्थायी आधार पर एक अतिरिक्त सार्वजनिक सेवा केंद्र -2 स्थापित किया गया है। उस समय, पुणे जनसेवा केंद्रों में आय, जाति, गैर-आपराधिक, जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 14 प्रकार के प्रमाणपत्रों के लगभग 3,300 आवेदनों का निपटारा किया गया है। यह ऑपरेशन जारी है।

सूरत शहर के विकास के साथ-साथ जनसंख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। जिसमें पुना तालुका क्षेत्र की आबादी लगभग 20 से 22 लाख है। इसलिए उदाहरण के निष्पादन तक पहुंचने के लिए सिस्टम द्वारा लोगों को दिन-रात उदाहरण दिए जा रहे हैं। इन केंद्रों में 9 घंटे की शिफ्ट में दो डिप्टी मामलतदार, दो तलाटी और 4 ऑपरेटर सहित कुल 17 कर्मचारी काम कर रहे हैं।

आवेदकों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े इसके लिए सार्वजनिक सेवा केंद्रों की कार्यप्रणाली की रूपरेखा बताते हुए पुणे मामलतदार श्रीमती रोशनीबेन पटेल ने कहा कि जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में, पुणे सार्वजनिक में अतिरिक्त कर्मचारियों सहित कार्यालय समय में वृद्धि करके आवेदकों को राहत दी गई है। सर्विस सेंटर। जन सेवा केंद्र सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक कार्यरत रहते हैं। साथ ही इन केंद्रों पर सुबह सात बजे से आवेदकों को टोकन देकर कामकाज शुरू कर दिया जाता है। पहले प्रतिदिन 250 आवेदकों को आय प्रपत्र जारी किये जाते थे, लेकिन अब प्रतिदिन 750 आवेदकों को आय प्रपत्र दिये जा रहे हैं। जनसुविधा के लिए चालू माह में पड़ने वाले सभी सार्वजनिक अवकाशों पर भी कर्मयोगी जन सेवा केन्द्रों पर कार्य कर रहे हैं। अप्रैल माह में 7199 तथा 1 मई से 24 मई तक 9581 आवेदन पत्रों का निराकरण किया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि लगातार गर्मी को देखते हुए पीने के पानी और मंडप की भी व्यवस्था की गई है. सभी कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिया गया है कि वे अनधिकृत व्यक्तियों या एजेंटों को प्रवेश न करने दें। एजेंटों या अन्य अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश पर रोक लगाने वाले बोर्ड भी लगाए गए हैं। दिन-प्रतिदिन के कार्यों में तेजी लाने के लिए जनसुविधा केंद्रों पर पूछताछ के लिए एक हेल्प डेस्क के साथ-साथ हस्ताक्षरित फॉर्म को सुचारू रूप से जारी करने के लिए ऑपरेटरों की अलग व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त निदेशक डॉ. नीलम पटेल ने लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी की रोकथाम और नियंत्रण पर एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

सूरत।

मानसून के मौसम को देखते हुए लेप्टोस्पायरोसिस बीमारी की रोकथाम और नियंत्रण के लिए अग्रिम योजना के तहत स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. नीलम पटेल की अध्यक्षता में स्वास्थ्य अधिकारियों, कृषि और पशुपालन के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सूरत, तापी, नवसारी और वलसाड जिलों के अन्य अधिकारी।

सिविल मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित बैठक में डॉ. नीलम पटेल ने कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास और कड़ी मेहनत से पिछले वर्षों में लेप्टोस्पायरोसिस के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है। पिछले वर्षों में सालभर में करीब 700 मामले सामने आए थे। जिसमें सबसे ज्यादा गिरावट के साथ साल 2023 में सिर्फ पांच मामले सामने आए. जब मृत्यु अनुपात शून्य हो. उन्होंने सभी से ऐसी स्थिति बनाकर आगे बढ़ने का आग्रह किया जहां भविष्य में लेप्टोस्पायरोसिस एक बीमारी हो।

सर्वेक्षण जिलों के प्रमुखों से अनुरोध किया गया कि वे अपने जिले में लेप्टोस्पायरोसिस के नियंत्रण के लिए घर-घर सर्वेक्षण के अभियान को तेज करें, पंपलेट, बैनर के माध्यम से जन जागरूकता लाकर अग्रिम योजना बनाएं। इसके अलावा हाई रिस्क वाले गांवों पर ध्यान देने, दवाओं की उपलब्धता, लोगों में बीमारी के लक्षण पाए जाने पर तुरंत इलाज मिले, रैपिड टेस्टिंग पर भी चर्चा हुई. अधिकारियों को लू के खिलाफ सभी एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी गई।

कृषि, पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ लेप्टो पर नियंत्रण के लिए आवश्यक व्यवस्था एवं तैयारी करने के निर्देश दिये गये।

गौरतलब है कि साल 2011 में लेप्टो के 916 मामले और 177 मौतें दर्ज की गई थीं। सभी के संयुक्त प्रयासों से वर्ष 2023 में धीरे-धीरे मात्र पांच मामले कम होकर मृत्यु अनुपात शून्य पर पहुंच गया है।

बैठक में उप निदेशक महामारी डॉ. जयेश कतीरा, अकादमी डॉ. जयेश सोलंकी, चिकित्सा अधिकारी (गांधीनगर) डॉ. विजय पटेल, आरडीडी डॉ. ज्योति गुप्ता, सहायक निदेशक डॉ. आर.एम. जेसवानी, आर.एम. डॉ. केतन नायक, सूरत , तापी, नवसारी, वलसाड स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन विभाग के अधिकारी और सिविल, स्मीमेर के अधिकारी उपस्थित थे।

'वागले की दुनिया' में श्रीनिवास और राधिका की रोमांटिक डेट नाइट

सोनी सब का 'वागले की दुनिया- नई पीढ़ी, नए किस्से' हमें आम आदमी की रोज़मर्रा की चुनौतियों और जीत की दिल छू लेने वाली कहानी से रूबरू कराता है। हालिया एपिसोड्स में, वागले परिवार को एक मुश्किल हालात का सामना करना पड़ा जब, वरिष्ठ वागले, श्रीनिवास (अंजन श्रीवास्तव) को दिल का दौरा पड़ा। जब पूरा परिवार उनके ऑपरेशन हेतु पैसे जुटाने की कोशिश करने लगा, तो उन्हें इस सच्चाई का पता चला कि यह सर्जरी डॉक्टर द्वारा वागले परिवार से पैसे ऐंठने के लिए किया गया एक घोटाला था। राजेश (सुमीत राघवन) और उनकी बेटी सखी (चिन्मयी साल्वी) समय पर सच्चाई को उजागर कर देते हैं और राजेश श्रीनिवास को अनावश्यक सर्जरी से बचा लेता है।

आगामी एपिसोड्स में, श्रीनिवास के सेहत से संबंधित डर के बाद, उनकी हालत में सुधार होने पर दिल छूने वाली घटना घटेगी। दर्शक एक सुखद ट्रीट की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि श्रीनिवास और राधिका (भारती आचरेकर) एक साथ क्वालिटी टाइम बिताने की योजना बना रहे हैं। दशकों तक साथ रहने के बावजूद, वे केवल अपने लिए एक खास डेट नाइट का इंतज़ाम करके रोमांस को जीवंत रखने का फैसला करते हैं। यह एक प्यारी कहानी है, जिसमें दादा-दादी की जोड़ी एक साथ अपने यादगार पल का आनंद लेती है।

राधिका की भूमिका निभाने वाली भारती आचरेकर ने कहा, "इस एपिसोड की शूटिंग करना वाकई अद्भुत अनुभव था। यह बहुत प्यारा और दिल छू लेने वाला सीक्वेंस है, क्योंकि आपने वरिष्ठ नागरिकों को डेट पर जाते हुए नहीं देखा या सुना होगा। इस कहानी पर शानदार काम करने के लिए क्रिएटिव टीम को बधाई। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे पसंद करेंगे।"

श्रीनिवास की भूमिका निभाने वाले अंजन श्रीवास्तव ने कहा, "वागले की दुनिया जीवन के सबसे सरल सुखों में सबसे हृदयस्पर्शी पलों को दर्शाता है। हमारे किरदार, श्रीनिवास और राधिका ऐसा जोड़ा है जो कभी जुदा नहीं होता है, जिन्होंने एक साथ जीवन में कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है, और इस दौरान विभिन्न अनुभव हासिल किए हैं। एक बुजुर्ग जोड़े को अपने जीवन के इस चरण में रोमांस को जीवंत रखने और एक साथ क्वालिटी टाइम बिताने की कोशिश करते देखना सुखद है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह कहानी पसंद आएगी और शायद यह और भी वरिष्ठ नागरिकों को डेट पर जाने और अपने साथी के साथ अधिक समय बिताने के लिए प्रोत्साहित करेगी।"

युवा स्टेशनरी ने 'ओगी एंड द कॉकरोचेज़' के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त किए - Sony YAY पर एक लोकप्रिय शो!

हाउस ऑफ नवनीत एजुकेशन से युवा को अग्रणी एनिमेटेड सीरीज़ - ओगी एंड द कॉकरोचेज़ के साथ अपने सहयोग की घोषणा करते हुए बेहद खुशी है। Sony YAY! के लिए Xilam Animation से लाइसेंस प्राप्त, एनिमेटेड कॉमेडी ने अपनी मनोरंजक और गुदगुदाने वाली कहानियों के साथ कई वर्षों में दुनिया भर के दर्शकों के दिलों पर घर कर लिया है।

ओगी, आकर्षक नीली बिल्ली, एक आइकन बन गई है, जिसने दुनिया भर के दर्शकों का दिल जीत लिया है। उसकी अपील सीमाओं और भाषाओं को पार करती है, सभी उम्र के दर्शकों के साथ जुड़ती है। बच्चे ओगी के प्यारे स्वभाव और जुड़ सकने वाले अनुभवों की ओर आकर्षित होते हैं, जिससे वह दोस्ती की दुनिया में सबसे चाहा जाने वाला चरित्र बन जाता है। इसकी सफलता सिर्फ टीवी स्क्रीन तक सीमित नहीं है; ओगी एक साथी बन गया है, एक दोस्त जिसे बच्चे अपने रोजमर्रा के जीवन में अपने साथ रखना चाहते हैं।

युवा ने Sony YAY! से "ओगी एंड द कॉकरोचज़" के लिए लाइसेंसिंग अधिकार प्राप्त किए हैं। यह सहयोग स्टेशनरी उत्पादों की एक विविध श्रेणी में विस्तारित होगा, जिसमें जंबो-आकार और नियमित नोटबुक, कलरिंग और एक्टिविटी बुक, कॉम्बो किट और परीक्षा बोर्ड शामिल हैं।

युवा और "ओगी एंड द कॉकरोचेज़" के बीच इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य स्टेशनरी की दुनिया में खुशी और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है, प्रशंसकों और उपभोक्ताओं को उनके पसंदीदा एनिमेटेड पात्रों की विशेषता वाले उत्पादों की एक रोमांचक सीरीज़ प्रदान करना है।

युवा के मुख्य रणनीति अधिकारी अभिजीत सान्याल ने कहा, "हम 'ओगी एंड द कॉकरोचेस' के साथ मिलकर खुश हैं, एक ऐसा शो, जो दुनिया भर के दर्शकों की कल्पना में शामिल हो चुका है। "यह सहयोग अद्वितीय और आकर्षक उत्पादों के माध्यम से हमारे ग्राहकों के लिए नयापन और खुशी लाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम एक सफल साझेदारी की आशा करते हैं जो निस्संदेह स्टेशनरी के प्रति उत्साही और प्रिय एनिमेटेड सीरीज़ के प्रशंसकों पर एक स्थायी छाप छोड़ेगी।

सुजॉय रॉय बर्धन – मार्केटिंग, कम्युनिकेशंस और OAP हेड Sony YAY !, ने कहा, "हम बच्चों और उनके पसंदीदा टून्स के बीच गहरे संबंध को समझते हैं। एनिमेटेड पात्र बच्चों की कल्पना और रचनात्मकता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। बच्चों के बीच 'ओगी एंड द कॉकरोचेज़' के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, युवा के साथ हमारे सहयोग का उद्देश्य न केवल स्टेशनरी प्रदान करना है, बल्कि खुशी के क्षणों को बनाना और फैलाना है। यह साझेदारी 'ओगी एंड द कॉकरोचज़' के आकर्षण और हास्य के साथ स्टेशनरी अनुभव को बढ़ाते हुए बच्चों को उनके चहेते पात्रों के साथ संवाद करने के लिए रोमांचक नए तरीके प्रदान करती है।

राजकोट के एक गेम जोन में लगी आग, 24 लोगो की हुई मृत्यू

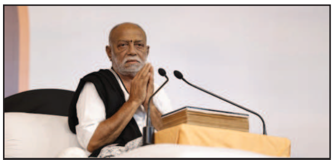

सुरत भुमि, सूरत। शनिवार शाम राजकोट के एक गेम जोन में आग लग गई और मिली जानकारी के मुताबिक 24 लोगों की मौत हो गई है। यह दुखद घटना घटने पर पूज्य मोरारीबापू ने अपनी संवेदना व्यक्त की है। मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि और उनके परिवारों के प्रति संवेदना।

इंटलेक्ट ने सहकारी बैंकों के लिए eMACH. ai-कंपोज्डइंटलेक्ट डिजिटल कोर लॉन्च किया

दुनिया कीअग्रणी बैंकिंग और बीमा ग्राहकों के लिए क्लाउड-नेटिव, भविष्य के लिए तैयार, मल्टी-प्रोडक्ट फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी कंपनी इंटेलेक्ट डिज़ाइन एरिना लिमिटेड ने भारत में सहकारी बैंकों के लिए इंटेलेक्ट डिजिटल कोर लॉन्च करने की घोषणा की है। यह समग्र, एंटरप्राइज़-ग्रेड वाला बैंकिंग टेक्नोलॉजी सुइटeMACH.ai से बना है, जो दुनिया का सबसे बड़ा ओपन फाइनेंस प्लेटफ़ॉर्म है जिसे वित्तीय संस्थानों के लिए भविष्य के लिए तैयार टेक्नोलॉजी समाधान प्रदान करने के लिए 'फर्स्ट प्रिंसिपल्स' थिंकिंग द्वारा निर्मितकिया गया है। दुनिया के कुछ सबसे बड़े बैंकों को चलाने वाली संयोजनीय और प्रासंगिक कोर बैंकिंग तकनीक का लाभ उठाते हुए, इंटलेक्ट सहकारी बैंकों के लिए डिजिटल इंडिया पहल के रूप में विशेषज्ञता उपलब्ध कराता है।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, श्रीएसवी रमणन, सीईओ-भारत और दक्षिण एशिया,इंटलेक्ट डिज़ाइन एरिना ने कहा, "हम भारत में सहकारी बैंकों के संचालन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए इंटलेक्ट डिजिटल कोर लाने के लिए उत्साहित हैं। भारत में निर्मित होने के कारण, हम भारतीय बाजार के पैटर्न और टियर 2 और 3 शहरों में ग्राहकों की बदलती मांगों और उनकी अपेक्षाओं को समझते हैं। यह तकनीक 'फर्स्ट प्रिंसिपल्स' टेक्नोलॉजी सुइट eMACH. ai पर बनाई गई है, जो बैंकों को डिजिटल उद्यम बनने में सक्षम बनाती है, जिससे तेजी से विकास होता है। तीन दशकों की विरासत और संस्थागत डिजाइन थिंकिंग दृष्टिकोण के अनुसार, इंटलेक्ट वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपने प्रौद्योगिकी नेतृत्व को मजबूत करना जारी रखे हुए है - सहकारी बैंकों के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया यह उत्पाद इसका प्रमाण है।"

बिजनेस लॉन्च के 5 साल के भीतर जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने दर्ज किया अपना पहला परिचालन लाभ

भारत की प्रमुख इको-फ्रेंडली पेंट कंपनी और 24 अरब यूएस डॉलर वाले जेएसडब्ल्यू समूह का हिस्सा जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने पिछले वित्तीय वर्ष में 3त्न से अधिक (लगभग 67 करोड़ रुपए) के एबिटा मार्जिन के साथ अपना पहला पूर्ण वर्ष परिचालन लाभ दर्ज किया। यह जेएसडब्ल्यू पेंट्स को सबसे कम अवधि में परिचालन लाभ दर्ज करने वाली पहली और सबसे युवा भारतीय पेंट्स कंपनी बनाता है। उद्योग में अपनी 10 गुना से अधिक विकास दर दर्ज करते हुए कंपनी का सकल राजस्व 2,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य को पार कर चुका है। सकल राजस्व में वृद्धि को डेकोरेटिव पेंट और इंडस्ट्रियल कोटिंग्स दोनों व्यवसायों से समर्थन मिला है। वित्त वर्ष 2024 -25 में, 2,000 करोड़ रुपए से अधिक का सकल राजस्व रिकॉर्ड,

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर पार्थ जिंदल ने कहा,"जेएसडब्ल्यू पेंट्स के लिए सबसे कम समय में मुनाफा कमाने वाली सबसे युवा पेंट कंपनी बनना बड़ी उपलब्धि रहा है। अब हम नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, क्योंकि भारतीय उपभोक्ता उद्देश्यपूर्ण जीवन और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के प्रति अपनी प्राथमिकताएं विकसित कर रहे हैं। मुझे अपने मैन्युफैक्चरिंग और मार्केटिंग निवेश में विकास का नेतृत्व करने के लिए आशीष राय का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। जेएसडब्ल्यू पेंट्स 29 साल की औसत कामकाजी उम्र के साथ उद्योग में सबसे युवा, सबसे अधिक लैंगिक विविध और जोरदार टीम के साथ अपना बिजनेस आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

जेएसडब्ल्यू पेंट्स के चीफ बिजनेस ऑफिसर- डेकोरेटिव्स आशीष राय ने कहा, "मैं एक महत्वपूर्ण मोड़ पर जेएसडब्ल्यू पेंट्स से जुड़कर रोमांचित हूँ, जहाँ व्यवसाय स्पष्ट रूप से अपनी विकास गति को तेज करने के लिए तैयार है। दरअसल सजावटी पेंट्स भारतीय उपभोक्ताओं द्वारा अपने घरों में बदलाव करने की खुशी से बहुत निकटता से जुड़े हुए हैं। डिजिटल प्रगति, उपभोक्ता की बढ़ती जरूरतें और नवीन पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के साथ डेकोरेटिव पेंट बिजनेस में हम तेजी से विकास करेंगे, हमारी इस प्रतिबद्धता से हमारे ग्राहकों को बहुत खुशी होगी।"

मौजूदा विकास दर को ध्यान में रखते हुए जेएसडब्ल्यू पेंट्स अगले दो वर्षों के भीतर (यानी वित्त वर्ष 2026 तक) 5,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रयासरत है। व्यवसाय में डेकोरेटिव पेंट्स सेगमेंट द्वारा महत्वपूर्ण बदलाव करके इसे मजबूती दी जाएगी। कंपनी ने आशीष रॉय को चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर-डेकोरेटिव नियुक्त किया है, जिन्हें यूनिलीवर जैसे वैश्विक संगठनों में डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस में दो दशकों से अधिक वर्षों का अनुभव है। आशीष जेएसडब्ल्यू पेंट्स में डेकोरेटिव पेंट्स बिजनेस में परिवर्तन और विकास का नेतृत्व करेंगे और लाभदायक टॉप लाइन डेवलपमेंट देंगे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)